अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 196 लखनऊ, रविवार, 01 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

आगरा में कंटेनर ने दो ऑटो को मारी टक्कर पांच लोगों की मौत

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में शनिवार को एक कंटेनर ने दो ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हैं। पुलिस अधीक्षक देवेश सिंह ने बताया कि खंदौली थाना क्षेत्र स्थित खंदोली-जलेसर मार्ग पर दोनों ऑटो एक ही दिशा में आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार कंटेनर ने ओवरटेक करने के चक्कर में पहले एक ऑटो को जोरदार टक्कर मारी। फिर नियंत्रण खोते हुए कंटनेर ने दूसरे ऑटो को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में ऑटो में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हैं। उन्होंने बताया कि सभी लोग एक ही गांव के हैं जो जगन्नाथ पुरी (ओडिशा) यात्रा से वापस आ रहे थे। मृतकों में हाथरस जिले के ग्राम सहपऊ निवासी बीजो, लख्मीचंद, रणवीर सिंह, बिल्ला मिस्त्री और शाहिद के नाम शामिल हैं।

पाकिस्तान ने रिहा किए सात भारतीय नागरिक, अटारी बाघा बार्डर से पहुंचे भारत

चंडीगढ़। पाकिस्तान ने शनिवार को सात भारतीय नागरिकों को रिहा कर दिया। सातों भारतीय नागरिकों ने अटारी-बाघा सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश किया। भारतीय सीमा में आने के बाद सभी नागरिकों की जांच प्रक्रिया के बाद परिजनों के हवाले किया जाएगा। दस्तावेज के मुताबिक, यह निर्णय पाकिस्तान के गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स कंट्रोल मंत्रालय, इस्लामाबाद के परामर्श से लिया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि भारत सरकार की ओर से संबंधित कैदियों की भारतीय नागरिकता की पुष्टि कर दी गई है और सभी कैदी अपनी-अपनी सजा की अवधि पूरी कर चुके हैं। इसके बाद उनकी रिहाई की प्रक्रिया शुरू की गई।

मध्य पूर्व में परिवर्तन भारत-अरब संबंधों के लिए प्रासंगिक : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि वैश्विक व्यवस्था में जारी मंथन का सबसे स्पष्ट प्रभाव मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में दिखाई दे रहा है और इसका असर भारत पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन भारत और अरब देशों के बीच संबंधों के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। डॉ. जयशंकर यहां आयोजित दूसरी भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। अपने उद्घाटन वक्तव्य में उन्होंने कहा कि राजनीति, अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और जनसांख्यिकी जैसे कारकों के कारण वैश्विक व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हो रहा है, जिसका सीधा प्रभाव पश्चिम एशिया में देखने को मिल रहा है।

वित्त मंत्री सीतारमण आज पेश करेंगी आम बजट

एजेंसी

- मुख्य आंकड़ों पर रहेगी नजर, जनता को देंगी बड़ी सौगात
- वैश्विक झंझावातों के बीच बजट में विकास और राजकोषीय अनुशासन में संतुलन बिठाने की चुनौती

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार, एक फरवरी को लगातार 9वीं बार केंद्रीय बजट पेश कर एक रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं। इस बार सभी की निगाहें बहुप्रतीक्षित सीमा शुल्क सुधारों पर टिकी होंगी। सीतारमण ने 2019 में अपने पहले केंद्रीय बजट में दशकों से चले आ रहे चमड़े के ब्रीफकेस की जगह लाल कपड़े में लिपटे पारंपरिक 'बही-खाता' का अनुकरण किया था। पिछले 4 वर्षों की तरह इस साल का बजट भी कागज रहित रूप में पेश किया जाएगा।

सीतारमण ऐसे समय में बजट पेश करने जा रही हैं, जब भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगामी दो वर्षों में तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर बढ़ रहा है। वहीं, कई गंभीर आर्थिक चुनौतियां भी सरकार के सामने खड़ी हैं। आइए जानते हैं कि केंद्रीय बजट पेश करते वक्त वित्त मंत्री के सामने कौन-सी बड़ी चुनौतियां होंगी राजकोषीय घाटाः सरकार के कुल खर्च और आय के बीच का अंतर राजकोषीय घाटा कहलाता है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इसके जीडीपी के 4.4 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया गया है। केंद्रीय बजट में 4.5 फीसदी से नीचे का लक्ष्य हासिल करने के बाद बाजार अब कर्ज जीडीपी अनुपात में कमी की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सटीक आंकड़ों का इंतजार कर रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि सरकार अगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चार फीसदी के राजकोषीय घाटे की घोषणा कर सकती है।

पूंजीगत व्ययः चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार का नियोजित पूंजीगत व्यय 11.2 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है। निजी क्षेत्र के निवेशकों की सावधानी को देखते हुए सरकार आगामी केंद्रीय बजट में बुनियादी ढांचे पर खर्च को बनाए रख सकती है और इसमें 10-15 फीसदी की वृद्धि कर सकती है। यह राशि 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना है।

कर्ज की रूपरेखाः वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट भाषण में कहा था कि वित्त वर्ष 2026-27 से राजकोषीय नीति का प्रयास केंद्र सरकार के कर्ज को जीडीपी के फीसदी के रूप में कम करने का होगा। बाजार यह देखना चाहेगा कि सरकार कर्ज-जीडीपी अनुपात को कब तक 60 फीसदी के लक्ष्य तक लाने की बात कहती है। 2024 में यह अनुपात 85 फीसदी था, जिसमें केंद्र का हिस्सा 57 फीसदी था। उधारीः वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार की सकल उधारी का केंद्रीय बजट 14.80 लाख करोड़ रुपये था। सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए बाजार से कर्ज लेती है। उधारी का आंकड़ा देश की आर्थिक सेहत और राजस्व संग्रह की स्थिति का संकेत देता है।

कर राजस्वः वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में सकल कर राजस्व का लक्ष्य 42.70 लाख करोड़ रुपये रखा गया था, जो पिछले वर्ष से 11 फीसदी अधिक है। इसमें 25.20 लाख करोड़ रुपये प्रत्यक्ष कर (आयकर और कॉरपोरेट कर) और 17.5 लाख करोड़ रुपये अप्रत्यक्ष कर (सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और जीएसटी) से आने का अनुमान है।

जीएसटीः वित्त वर्ष 2025-26 में जीएसटी राजस्व संग्रह 11 फीसदी बढ़कर 11.78 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। सितंबर 2025 से दरों में की गई कटौती के बाद राजस्व वृद्धि में तेजी आने की उम्मीद है, इसलिए अगामी वित्त वर्ष 2026-27 के अनुमानों पर विशेष ध्यान रहेगा। जीडीपी ग्रोथ की रफ्तारः आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.8 से 7.2 फीसदी के बीच रह सकती है, जबकि सरकार ने 2047 तक विकसित भारत बनने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को लगातार 8 फीसदी या उससे अधिक की विकास दर बनाए रखना जरूरी होगा। रुपये में लगातार गिरावटः आरबीआई के हस्तक्षेप के बावजूद भारतीय रुपया दबाव में बना हुआ है। 30 जनवरी को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा डॉलर के मुकाबले 92.02 के रिकॉर्ड निचले स्तर को छूने के बाद कारोबार के अंत में मामूली बढ़त लिए 91.97 पर बंद हुआ।

अरब देशों के साथ व्यापार, ऊर्ज़ा क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ बनाने को प्रतिबद्ध है भारत : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत दौरे पर आए अरब देशों के विदेश मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल दूसरी भारतऽअरब विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए भारत में है। बैठक में अरब लीग के महासचिव और विभिन्न अरब देशों के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख भी शामिल थे। प्रधानमंत्री ने भारत और अरब दुनिया के बीच गहरे और ऐतिहासिक जनऽजन के संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि इन रिश्तों ने वर्षों से दोनों पक्षों के संबंधों को मजबूती और प्रेरणा दी है।

मोदी ने आने वाले वर्षों के लिए भारत-अरब साझेदारी के अपने विजन को साझा करते हुए व्यापार और निवेश, ऊर्ज़ा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य तथा अन्य प्राथमिक क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यह सहयोग दोनों क्षेत्रों की जनता के पारस्परिक लाभ के लिए महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री योगी ने रविदास जयंती पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को अपने संदेश में कहा कि संत रविदास जी के विचार कालातीत, सार्वभौमिक और समाज को दिशा देने वाले हैं। उन्होंने सामाजिक समरसता, समानता और मानवीय गरिमा के मूल्यों को अपनी वाणी और कर्म के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया। सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध उनके विचार आज भी समाज को जागृत और प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय है कि संत रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धन, प्राचीन और सांस्कृतिक नगरी काशी में स्थित है, जिसने भारत की संत परम्परा को नई चेतना और वैचारिक ऊर्ज़ा प्रदान की। संत रविदास जी का प्रसिद्ध कथन 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' आंतरिक पवित्रता, नैतिकता और आत्मशुद्धि के भाव को सरल और प्रभावी रूप में व्यक्त करता है।

बुंदेलखंड के वर्षों की पीड़ा का हुआ अंत: जल शक्ति मंत्री

613 गांवों में से 461 गांव में नियमित पानी चालू

- महोबा की घटना पर कहा, जितना सोशल मीडिया पर शोर मचा है, उतना कुछ है नहीं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। झांसी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 36 गांवों की हर घर जल योजना समर्पित करने झांसी आए उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री ने महोबा में विधायक और उनके बीच हुई वार्ता की घटना को लेकर पल्ला झाड़ लिया। कहा कि जितना सोशल मीडिया पर शोर मचा है, उतना कुछ है नहीं। सरकार जनता की सेवा के लिए है और विधायक का काम है कि जनता की सेवा करे। इसलिए महोबा में विधायक जनता की समस्या को लेकर उनके बीच आए थे।

जिस पर सम्बंधित अधिकारियों से वार्ता कर उन समस्याओं का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही 36 गांवों को जल जीवन अभियान का अंतर्गत हर घर नल, हर घर जल समर्पित करने पर कहा कि वर्षों की पीड़ा का अंत हुआ। उन्होंने कहा कि 613 गांवों में से 461 गांव में नियमित पानी चालू हो गया है।

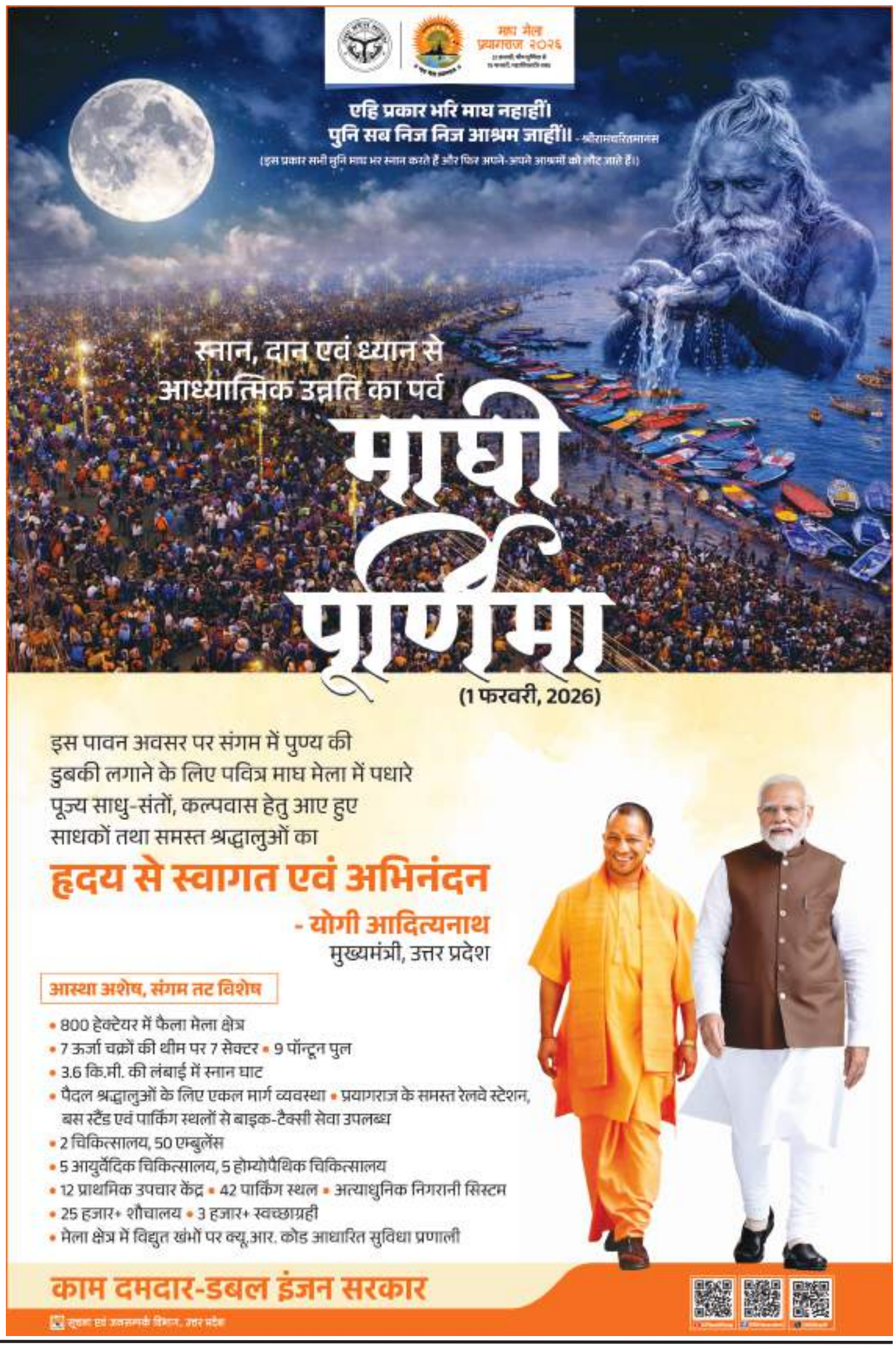

मुख्यमंत्री योगी से मिले 'गोदान' फिल्म के निर्माता-निर्देशक विनोद चौधरी, ट्रेलर लॉन्च

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। गोमाता के संरक्षण, भारतीय संस्कृति में उसके महत्व और पंचगव्य आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को केंद्र में रखकर बनी फिल्म 'गोदान' के निर्माता-निर्देशक विनोद चौधरी ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस अवसर पर फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया। फिल्म के निर्माता व निर्देशक ने स्पष्ट किया कि देश में गो-रक्षा को लेकर सबसे व्यापक, ठोस और जमीनी स्तर पर कार्य उत्तर प्रदेश में हुआ है और इसके पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन और प्रतिबद्ध नेतृत्व है। इन्हीं बातों ने उन्हें मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के लिए प्रेरित किया। गोवंश के प्रति मुख्यमंत्री के स्नेह और गो संरक्षण के लिए उनकी प्रतिबद्धता का इसी बात से पता चलता है कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में साढ़े सात हजार से ज्यादा गो आश्रय स्थल बनाए गए हैं। इतना ही नहीं, 12 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश संरक्षित किए जा चुके हैं। गो सेवा और उनके संरक्षण

- गोरक्षा के संकल्प, भारतीय संस्कृति और पंचगव्य विज्ञान को बड़े पर्दे पर लाएगी 'गोदान'

को और प्रभावी बनाने के लिए हर जिले में गो संरक्षण समितियों का गठन किया गया है। विनोद चौधरी द्वारा निर्मित व निर्देशित 'गोदान' फिल्म 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म केवल एक कहानी नहीं, बल्कि गायों के संरक्षण, भारतीय संस्कृति, वैज्ञानिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व का समग्र दस्तावेज है। निर्माता ने मुख्यमंत्री योगी को फिल्म की विषयवस्तु, उद्देश्य और सामाजिक संदेश से अवगत कराया। चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान कहा कि आज देश में गो-रक्षा के क्षेत्र में जो ठोस कार्य दिख रहा है, उसका सबसे बड़ा केंद्र उत्तर प्रदेश है। प्रदेश में गोशालाओं का विस्तार, निराश्रित गोवंश की व्यवस्था, तस्करी

पर सख्ती और गो संरक्षण को शासन की प्राथमिकता बनाना, ये सभी कार्य मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में संभव हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि जो दायित्व सामान्यतः समाज और हर नागरिक का होना चाहिए, उसे मुख्यमंत्री योगी स्वयं उदाहरण बनकर निभा रहे हैं। फिल्म निर्माता ने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा है, जो वैदिक काल से हमारे जीवन का आधार रही है। समुद्र मंथन से कामधेनु की प्राप्ति की कथा से लेकर आज तक गाय भारतीय सभ्यता की पोषक रही है। उन्होंने कहा कि नई युवा पीढ़ी धीरे-धीरे गाय के महत्व को भूलती जा रही है। दूध देने तक गाय को रखा जाता है और उसके बाद उसे छोड़ दिया जाता है, फिर यह कहा जाता है कि इसकी जिम्मेदारी सरकार निभाए, जबकि यह केवल सरकार का नहीं, बल्कि हम सभी नागरिकों का नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है कि गोमाता का पालन-पोषण करें। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गाय हमारी माता है। जो लोग गाय को केवल पशु कहते हैं, वे स्वयं पशुता की मानसिकता में जी रहे हैं। जैसे मां हमें पोषण देती है, वैसे ही गाय संपूर्ण मानव समाज का पोषण करती है। फिल्म 'गोदान' में पंचगव्य से पंच परिवर्तन को प्रमुखता से दिखाया गया है। इसमें बताया गया है कि पंचगव्य किस प्रकार मानव जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है। फिल्म निर्माता चौधरी के अनुसार, गाय पर हाथ फ़ेरने मात्र से मानसिक शांति मिलती है, रक्तचाप संतुलित होता है और अनेक बीमारियों पर इसका प्रभाव पड़ता है। फिल्म में यह संदेश वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया गया है। फिल्म निर्माता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फिल्म को टैक्स-फ्री किए जाने की अपेक्षा भी व्यक्त की। उनका कहना था कि यह फिल्म किसी एक जाति, धर्म या वर्ग की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक के लिए है। विशेषकर युवा पीढ़ी को यह फिल्म अवश्य देखनी चाहिए। स्कूल के बच्चों, परिवारों और समाज के हर वर्ग तक इसका संदेश पहुंचना चाहिए। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि धरती, कृषि, प्रकृति और मानव जीवन, सभी के लिए गोमाता सबसे बड़ा आशीर्वाद हैं। प्रदेश में गोसेवा और संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभूतपूर्व इंतजाम किए हैं। गोमाता पर बनी यह फिल्म हर युवा, बच्चे और बुजुर्ग को सपरिवार देखनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के दौरान यथार्थ हॉस्पिटल नोएडा के सीएमडी डॉ. कपिल त्यागी तथा अन्य भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी को बदमाशों ने मारी गोली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात को एयरफार्स से रिटायर्ड अधिकारी अवधेश कुमार पाठक (60) को शॉपिंग स्क्वायर–दो में अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी और फरार हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि अवधेश कुमार पाठक मूलरूप से संत कबीरनगर जिले के ग्राम हावपुर गड़ारी के रहने वाले हैं। वर्तमान में गोसाईगंज के ग्राम कबीरपुर में निजी आवास में रहकर वे शॉपिंग स्क्वायरऽएक, शॉप संख्याऽ222 में ह्वरसोई बाई मांङ्क नाम से दुकान संचालित करते हैं। उनकी पत्नी की ओर से दी गई तहरीर में बताया कि बीती रात शुक्रवार को उनके पति दुकान से कुछ सामान अपनी कार में रख रहे थे, तभी दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर फायर कर दिया, जिसमें गोली उनके दाहिनी आंख के ऊपर लगी। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने बताया कि तहरीर के आधार पर दो अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। घटना के शीघ्र अनावरण के लिए 8 विशेष पुलिस टीमें गठित की गई हैं। वहीं इलाकाई लोगों से पूछताछ भी जा रही है तथा सभी संभावित बिंदुओं पर गंभीरता से जांच जारी है।

यूपी पुलिस भर्ती ऑनलाइन आवेदन में अभ्यर्थी तीन फरवरी तक कर सकते संशोधन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सिपाही नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन फार्म में संशोधन करने के लिए अवसर मिला है। इस संदर्भ में उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक ने शनिवार को बताया है कि सिपाही नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन फार्म में गलती को सुधारने के लिए वन टाइम करेक्शन विंडो खोल दी है। यह सुविधा शनिवार 31 जनवरी से तीन फरवरी तक उपलब्ध रहेगी। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों के लिए यह एक आखिरी मौका होगा, इसके बाद किसी भी प्रकार की संशोधन स्वीकार नहीं होगा। भर्ती बोर्ड ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 18009110005 भी जारी किया है। वेबसाइट पर इसे लेकर विस्तृत दिशानिर्देश भी दिए गए हैं।

बदमाशों ने दुकानदार को मारी गोली हमलावर की तलाश में जुटी पुलिस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दो अज्ञात व्यक्तियों ने एक दुकानदार पर गोली चला दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। दक्षिण क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निपुण अग्रवाल ने बताया, यह घटना शुक्रवार की रात करीब 10.15 बजे अंसल सुशांत गोल्फ सिटी के शॉपिंग स्क्वायर–2 में हुई, जिसकी सूचना नियंत्रण कक्ष के जरिए मिली। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। उन्होंने बताया कि घायल की पहचान अवधेश कुमार पाठक (60) के रूप में हुई है, जो संत कबीर नगर जिले के निवासी हैं। वह फिलहाल लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में रहते हैं और उनकी दुकान शॉपिंग स्क्वायर–1 में है। पुलिस ने बताया कि पाठक अपनी दुकान का कुछ सामान अपनी निजी कार में रख रहे थे, तभी दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर गोली चला दी, जो उनकी दाहिनी आंख के ऊपर लगी। पुलिस के अनुसार उन्हें तुरंत मेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। चिकित्सकों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। डीसीपी ने बताया कि पीड़ित की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। डीसीपी (दक्षिण) ने मामले को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए आठ विशेष पुलिस टीमें गठित की हैं।

एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह और उनके सहयोगियों को दिल्ली की अदालत से बड़ी राहत, ईओडब्लू ने पेश की क्लोजर रिपोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रतापगढ़ से विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) कुंवर अक्षय प्रताप सिंह 'गोपालजी' और उनके छह अन्य सहयोगियों को दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट से एक बड़ी कानूनी राहत मिली है। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) ने उनके खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में 'क्लोजर रिपोर्ट' दाखिल कर दी है। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि आरोपियों के खिलाफ जालसाजी से संबंधित कोई आपराधिक साक्ष्य नहीं मिले हैं।

विवाद की पृष्ठभूमि: यह मामला फरवरी 2023 में तब शुरू हुआ था जब कुंडा विधायक राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने दिल्ली के ईओडब्ल्यू थाने में एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी कंपनी 'श्री दा प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड' में उनके फर्जी डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग कर अवैध तरीके से शेयरों का हस्तांतरण किया गया और कंपनी पर कब्जा करने का प्रयास किया गया।

इन लोगों को मिली क्लीन चिट: ईओडब्लू द्वारा दाखिल क्लोजर रिपोर्ट के बाद अक्षय प्रताप सिंह के साथ-साथ मामले में नामजद अन्य लोगों को भी बड़ी राहत मिली है। भानवी सिंह ने अक्षय प्रताप सिंह के साथ साथ अनिल कुमार सिंह,इंद्रदेव पटेल,उमेश कुमार निगम,हरिओम शंकर,रामदेव यादव ,अरुण रस्तोगी सभी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 467 (मूल्यवान सुरक्षा की जालसाजी), 468, 471 और 120बी (आपराधिक साजिश) जैसी गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान ईओडब्लू ने कंपनी के दस्तावेजों और डिजिटल हस्ताक्षरों की गहन पड़ताल की, जिसके बाद पाया गया कि धोखाधड़ी के कोई पुख्ता प्रमाण मौजूद नहीं हैं।

एटा का पटना पक्षी विहार बना उत्तर प्रदेश का 11वां वेटलैंड रामसर साइट

- विश्व वेटलैंड्स दिवस 2 फरवरी को महावीर स्वामी पक्षी विहार में आयोजित होगा नेचर एण्ड बर्ड फ़ेस्टिवल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में स्थित पटना पक्षी विहार प्रदेश की 11वीं वेटलैंड रामसर साइट घोषित की गयी है। भारत में रामसर साइट की संख्या के हिसाब से उत्तर प्रदेश का दूसरा स्थान है। यह जानकारी प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डा.अरूण सक्सेना ने शनिवार को दी। डा.अरूण सक्सेना ने आभासी माध्यम से अरण्य भवन में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि विश्व वेटलैंड्स दिवस 2 फरवरी को बेतवा नदी के तट पर स्थित महावीर स्वामी पक्षी विहार में नेचर एण्ड बर्ड फ़ेस्टिवल का शुभारम्भ किया जायेगा। वन मंत्री ने बताया कि महावीर स्वामी वन्यजीव विहार पवित्र हिन्दू जैन एवं बौद्ध समाज के धार्मिक आस्था एवं आध्यात्मिक आस्था का महत्वपूर्ण केन्द्र है। देवगढ़ में प्रत्येक वर्ष इन तीनों धर्मो के श्रद्धालु एकत्र होकर आध्यात्मिक विषयों,प्रकृति संरक्षण तथा मानव के सम्पूर्ण विकास पर विचार विमर्श कर इस क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार कर प्रकृति संरक्षण के लिए जन सामान्य को प्रेरणा देते हैं। डा.अरूण सक्सेना ने बताया कि वेटलैंड्स भूगर्भ जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वेटलैंड को भोजन का खजाना कहा जाता है। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से मछलियां, खाने योग्य वनस्पितयां, लकड़ी व ईंधन के रूप में लकड़ी व औषधी प्रदान करते हैं। प्रदेश में लगभग 12.42 लाख हेक्टेयर वेटलैंड से आच्छादित है। प्रदेश के वेटलैंड में मगर, घड़ियाल, डाल्फिन, बारह सिंहा, सारस व कछुओं की 14 प्रजातियां पाई जाती हैं। मंत्री ने बताया कि प्रत्येक ग्राम सभा में वेटलैन्ड कमेटी का गठन होगा।

आम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव

लखनऊ। इटौंजा थाना क्षेत्र के ढीलवासी गांव में शनिवार सुबह करीब 8 बजे एक 25 वर्षीय युवक का शव आम के पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान बबलू के रूप में हुई है, जो ऑटो चलाता था। वह शुक्रवार रात से लापता था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे ग्रामीणों ने आम के बाग में उसका शव पेड़ से लटका देखा, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक युवक शादीशुदा था और दो साल पहले उसका तलाक हो चुका था। विनोद रावत ग्राम के बीडीसी को बताया कि कल गौतम बिरादरी से रात में मारपीट हुई थी, जिसको लेकर मृतक का मोबाइल छीन लिया गया था। जब इसका पता चला तो मोबाइल घर जाकर दिला दिया गया था। इस मामले कल पुलिस को भी सूचना दी थी मौके पर 112 पुलिस भी आई थी। उन्होंने यह बताया ऑटो में ना बैठाने को लेकर विवाद बताया जा रहा जिसके बाद गांव के कुछ लोगो ने घर पर भी गाली गलौच और मारपीट की थी। इटौंजा थाना प्रभारी मारकंडे यादव ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना मिली है।

आपदा राहत प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2025-26 में जारी किए 710.12 करोड़ रुपये

- सर्वाधिक धनराशि बाढ़ से नुकसान की क्षतिपूर्ति और पुनर्वास के लिए की गई आवंटित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़, भूकंप, सूखा, अग्निकांड, शीतलहर एवं मानव-जीव संघर्ष जैसी आपादाओं से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध और संवेदनशील है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश का राहत आयुक्त कार्यालय आपदा प्रभाव को कम करने तथा पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए सभी संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 में आपदा राहत निधि के तहत 710.12 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। इस धनराशि से विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदा पीड़ितों को सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही राज्य में आपदा राहत तंत्र को अधिक प्रभावी बनाने के प्रयास किये गए हैं, जिससे वर्तमान में उत्तर प्रदेश आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक मजबूत मॉडल राज्य के रूप में उभर रहा है। प्रदेश में आपदा न्यूनीकरण, पूर्व तैयारी, प्रभावी राहत वितरण एवं पीड़ितों के पुनर्वास के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में जारी 710.12 करोड़ रुपये में सर्वाधिक 365.73 करोड़ रुपये बाढ़ प्रभावितों के बचाव के लिए जारी किए गए। इसे विशेष रूप से सरयू, गंगा और घाघरा के बाढ़ प्रभावितों के पुनर्वास पर खर्च किया गया। चक्रवात व आंधी-तूफान से होने वाली हानि की क्षतिपूर्ति के लिए 14.13 करोड़, ओलावृष्टि से नुकसान की भरपाई के लिए 0.13 करोड़, अग्निकांड में क्षतिपूर्ति के लिए 14.63 करोड़ रुपये और शीतलहरी से बचाव के लिए 50.72 करोड़ रुपये जारी किये गये। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा अन्य आपदाओं के लिए लगभग 246.63 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। सामान्य मद के लिए 0.44 करोड़ व अन्य राहत कार्यों के लिए 17.71 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। इस राशि को प्रदेश में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत, पुनर्वास एवं बचाव कार्यों को गति प्रदान करने एवं आपदा राहत तंत्र को प्रभावी बनाने में खर्च किया गया। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि राहत आयुक्त कार्यालय ने ठंड के मौसम में बचाव के लिए व्यापक प्रबंध किए, जिससे इस वर्ष शीतलहर से होने वाली जनहानि में विशेष रूप से कमी आई। इस क्रम में प्रदेश सरकार की ओर से निराश्रित एवं असहाय व्यक्तियों को कंबल वितरण हेतु 45.51 करोड़ व अलाव जलाने के लिए 3.51 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई। जिसके माध्यम से प्रदेश के सभी जनपदों में 27,027 स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। जहां अब तक 1,69,834 अलाव जलाए जा चुके हैं, जरूरत के हिसाब से ये कार्य अभी भी जारी है। वहीं जिला प्रशासन द्वारा गरीबों और निराश्रितों को 5,89,689 कंबल वितरित किए जा चुके हैं। इसके साथ ही प्रदेश भर में 1,242 रैन बसेरे स्थापित किए गए हैं, जहां अब तक 64 हजार से अधिक व्यक्तियों को रैन बसेरों ने राहत प्रदान की। ये व्यवस्थाएं शीतलहरी के दौरान निराश्रित और असहाय लोगों की जान बचाने में उल्लेखनीय प्रयास साबित हुईं। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि हर आपदा प्रभावित व्यक्ति को त्वरित सहायता मिले और जीवन-रक्षा के साथ आर्थिक स्थिरता भी सुनिश्चित हो। इसके लिए राहत आयुक्त कार्यलय की ओर से आपदा प्रहरी एप और 1070 टोल फ्री नंबर का संचालन भी किया जाता है।

बाइक सवार ने बुजुर्ग को टक्कर मारी, मौत

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात साइकिल और बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि बाइक सवार युवक घायल हो गया। पुलिस ने बुजुर्ग के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार, उन्नाव जिले के हसनगंज स्थित बिशन खेड़ा निवासी बाबूलाल (65) शुक्रवार रात करीब 8 बजे शेखूपुर स्थित अपने खेत से काम कर साइकिल से बनी-मोहन रोड होते हुए घर लौट रहे थे। इसी दौरान बंथरा स्थित गोंदौली गांव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार पल्सर बाइक ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाबूलाल और बाइक सवार उन्नाव के हसनगंज स्थित अजमत गढ़ी खागा निवासी बबलू गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने बाबूलाल को मृत घोषित कर दिया, जबकि बबलू को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने बाबूलाल के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश की मजबूत भागीदारी, 10.94 लाख से अधिक आवेदन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- योगी सरकार के नेतृत्व में 3.57 लाख रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित, प्रदेश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर तेज़ी से अग्रसर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्वच्छ और हरित ऊर्जा की दिशा में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। केंद्र सरकार की प्रमुख योजना प्रधामंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय पोर्टल के अनुसार, देशभर में अब तक 58.36 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि अकेले उत्तर प्रदेश में 10.94 लाख से अधिक आवेदन दर्ज किए जा चुके हैं। यह आंकड़ा प्रदेश में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और सौर ऊर्जा के प्रति बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार की सक्रिय नीति और यूपीनेडा व वितरण कंपनियों के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में अब तक 3,57,879 रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। इससे उत्तर प्रदेश की कुल स्थापित सौर क्षमता 1,227.05 मेगावाट तक पहुंच गई है। योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को अब तक 2,440.62 करोड़ रुपये की केंद्रीय सब्सिडी और लगभग 600 करोड़ रुपये की राज्य सब्सिडी प्रदान की जा चुकी है। प्रधामंत्री सूर्य घर योजना के तहत लगाए गए रूफटॉप सोलर सिस्टम से उपभोक्ताओं के बिजली बिल में 60 से 90 प्रतिशत तक की कमी आई है। उपभोक्ताओं को औसतन 1,500 रुपये से 3,000 रुपये प्रति माह तक की बचत हो रही है। इसके साथ ही 25 वर्षों तक कम लागत पर स्वच्छ और स्थायी बिजली, नेट मीटरिंग के जरिए अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में समायोजित करने जैसी सुविधाएं भी मिल रही हैं। प्रदेश में प्रतिदिन 50 लाख यूनिट से अधिक ग्रीन सोलर बिजली का उत्पादन हो रहा है। इससे वितरण कंपनियों पर पीक डिमांड का दबाव कम हुआ है और ऊर्जा आपूर्ति प्रणाली अधिक स्थिर व सक्षम बनी है। यह पहल उत्तर प्रदेश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार कर रही है। प्रधामंत्री सूर्य घर योजना के जरिए उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 13 से 15 लाख टन एग उत्सर्जन में कमी आ रही है। कोयला आधारित बिजली पर निर्भरता घटने से वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की जा रही है, जिससे भारत के नेट-ज़ीरो 2070 लक्ष्य को मजबूती मिल रही है। योगी सरकार प्रधामंत्री सूर्य घर योजना को भविष्य में यूनिफाइड एनर्जी इंटरफ़ेस (यूईआई) आधारित डिजिटल ऊर्जा ढांचे से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत सौर उत्पादन, स्मार्ट मीटरिंग, नेट मीटरिंग, कार्बन डेटा और भुगतान प्रणालियों को बैंकिंग व वित्तीय सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इससे ईवी चार्जिंग, ग्रीन फाइनेंसिंग, कार्बन क्रेडिट ट्रैकिंग और ऊर्जा आधारित वित्तीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। ईयू-इंडिया एफटीए और सीबीएएम (कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म) के संदर्भ में यह पहल उत्तर प्रदेश के एमएसएमई और निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को भी मजबूत करेगी।

ज्वैलरी शॉप में लगी आग, केबल से पड़ोसी के घर तक पहुंची, परिवार बचा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बंथरा कस्बे में कानपुर रोड स्थित एक ज्वैलरी शॉप में शनिवार रात भीषण आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी इस आग पर 3 दमकल गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद काबू पाया। घटना में लाखों रुपए के सोने-चांदी के गहनों के नुकसान का अनुमान है। हालांकि, कोई जनहानि नहीं हुई। यह दुकान बंथरा कस्बा निवासी रमाशंकर वर्मा की है। वह अपने मकान के अगले हिस्से में सोने-चांदी के गहनों की दुकान चलाते हैं, जबकि पीछे के कमरों में अपने बेटे छोटकऊ और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते हैं। दुकान में आग रात करीब 12 बजे लगी। उस समय रमाशंकर अपने परिवार के साथ घर के अंदर थे। इसी दौरान दुकान में विद्युत शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई और देखते ही देखते इसने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें दुकान से बाहर निकलती देख पड़ोसियों ने शोर मचाया और तुरंत रमाशंकर वर्मा को सूचना दी। सूचना मिलते ही रमाशंकर वर्मा और उनका परिवार सुरक्षित बाहर निकल आया। इसके बाद स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया गया। सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में दो दमकल गाड़ियां और आलमबाग फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची। आग की चपेट में आने से विद्युत केबल के माध्यम से पड़ोसी कन्हैयालाल के घर के सामने तक भी आग पहुंच गई, जहां तारों में धमाके हुए, जिससे लोग दहशत में आ गए। घटना स्थल कानपुर हाईवे के किनारे होने के कारण काफी देर तक यातायात भी प्रभावित रहा। फिलहाल, नुकसान का सही आकलन नहीं हो सका है, लेकिन लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहनों के जलकर नष्ट होने की आशंका जताई जा रही है।

जिला पंचायत बैठक हुई आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शनिवार को अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित जिला पंचायत बैठक में सदस्य विधान परिषद् अशोक अग्रवाल द्वारा सदन को अवगत कराया गया था कि विकास खंड भरावन के लगभग 1100 की आबादी वाले ग्राम हाजीपुर मे 209 हिन्दू परिवार रहते हैं तथा इस गांव मे कोई भी मुस्लिम परिवार निवासरत नहीं है अत: स्थानीय निवासियों द्वारा हाजीपुर का नाम परिवर्तित कर सियारामपुर किये जाने का अनुरोध किया गया है। बैठक मे उपस्थित सदस्यों द्वारा जनभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्ताव का सर्व सम्मति से अनुमोदन करए शासन को प्रेषित किया गया था। उक्त प्रस्ताव को जिलाधिकारी हरदोई की संस्तुति पर आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए, सियारामपुर वासियों को शुभकामनाएं प्रदान कीं।

जन सुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनी 31 शिकायतें

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान

जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई मे आज कुल 31 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जन सुनवाई मे प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, अतिरिक्त मजिस्टेज्ट भूमिका यादव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

पत्नी की गला दबाकर हत्या करने वाले आरोपी पति का आत्म समर्पण

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम सुरजीपुर में शुक्रवार की शाम पति ने लड़ाई के बाद पत्नी को गला दबाकार मार डाला और बेहटा गोकुल पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। मृतका

■ प्रेमी के साथ जाने पर दस दिन पूर्व पुलिस ने किया था बरामद

को प्रेमी के साथ जाने पर छह दिन बाद 19 जनवरी को पुलिस ने बरामद कर पति के साथ घर भिजवाया था। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भिजवाया है। शाहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर गुलरिया निवासी नवीन कुमार का विवाह बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम सुरजीपुर निवासी अंजू पुत्री सुरेश पाण्डेय के साथ हुआ था। अंजू के भाई न होने के कारण उसके पिता की मौत के बाद नवीन पत्नी और बच्चों के साथ ससुराल में ही रहने लगा था। अंजू के नाम 35 बीघे जमीन है। इसकी देखभाल नवीन ही करता था। नवीन दो छोटे बच्चे हैं। 13 जनवरी को अंजू गांव के ही एक युवक के साथ चली गई थी। इस मामले में उसने प्रधान के जरिए 15 जनवरी को पुलिस से शिकायत भी की थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर 19 जनवरी को अंजू को बरामद किया और अंजू की इच्छानुसार उसे पति नवीन के साथ सुरजीपुर भेज दिया गया। कुछ दिन स्थिति सही रही। लेकिन फिर दोनों में विवाद शुरू हो गया। नवीन का आरोप है कि अंजू मुझसे छुपकर अपने प्रेमी से मिलती थी। इस वजह से हमारी खूब लड़ाई होती थी। शुक्रवार शाम भी दोनों के बीच कहासुनी हो रही थी। इसी दौरान गुस्से में आकर उसने अंजू का गला दबा दियाए जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई ।घटना के समय नवीन की सास सुखरानी घर के बाहर टीनशेड के नीचे बैठी थीं। उन्हें घर के अंदर हुई वारदात की भनक तक नहीं लगी। हत्या के बाद नवीन सीधे बेहटा गोकुल थाने पहुंचा और थानाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरी को पूरी घटना की जानकारी दी। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरी ने बताया कि आरोपी नवीन को हिरासत में ले लिया गया है ।पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भिजवाया। मृतका की मां सुखरानी के अनुसार बेटी के वापस आने के बाद से नवीन बहुत गुस्से में रहता था। रोज किच.किच होती रहती थी ।शाम को भी अंदर लड़ाई हुई, उसे लगा रोज की तरह लड़ रहे होंगे। पर नवीन ने उसकी पुत्री का गला दबा कर उसकी हत्या कर दी। जब नवीन खुद थाने चला गया, तब उसे पता चला कि अंजू को मार दिया गया है। दो छोटे.छोटे बच्चे हैं। अब उनका क्या होगा। उसने पुलिस से मांग की है कि नवीन को कड़ी सजा मिले।

घने कोहरे के कारण अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर बाईक सवार की मौके पर मौत

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान वेद प्रकाश उर्फ प्रमोद (40) पुत्र प्रभु दयाल निवासी भड़वल सलेमपुर, के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार वेद प्रकाश उन्नाव जनपद के थाना बांगरमऊ क्षेत्र के अंतर्गत सीकरी गांव में अपनी रिश्तेदारी में आयोजित भंडारे में शामिल होने गए थे। वहां से वापस घर लौटते समय गौरी चौराहा स्थित इंडेन गैस एजेंसी गोदाम के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घटनास्थल पर ही मौत हो गई राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को मल्लावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाएए पहचान होने पर परिजनों को दूरभाष के माध्यम से सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचेए जहां मृतक को देखकर उनका रो.रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई स्थित मोर्चरी हाउस भेज दिया है। मृतक अपने पीछे चार छोटे बच्चों को छोड़ गया है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में घटना के बाद शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हमले में जेल भेजे गए कोटेदार का कोटा लाइसेंस हुआ निलंबित

कछौना(हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बीती 25 जनवरी को महिला अधिवक्ता व उसके पति पर हुए हमले के मामले जेल भेजे गए कछौना देहात के प्रधान पति नसीम के भाई शरीफ का राशन कोटा सस्पेंड कर दिया गया है! इस मामले में फरार चल रहे नसीम समेत पांच अभियुक्तों की गिराफ़्तरी के लिए पुलिस टीमे लगातार दबिश दे रही है! 25 जनवरी को महिला अधिवक्ता फ़िरदौस जहाँ व उसके पति सलीम को कछौना देहात के प्रधान पति मो० नसीम भाई मुख्तार शरीफ व बेटे आमिर समेत दर्जन भर लोगों ने जमकर मारपीट की थी! जिसकी रिपोर्ट बीते बुधवार को महिला अधिवक्ता ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाने के बाद दर्ज कराई थी! इस मामले में लापरवाही के मामले में इंस्पेक्टर निर्भय सिंह को निलंबित भी किया गया था! हमले में मरणासन्न सलीम का इलाज अभी भी लखनऊ ट्रामा सेंटर में चल रहा है! मुक़दमे में दर्जन भर वांछित अभियुक्तओं में सात अभियुक्तों को जेल भेजा जा चुका है जिसमें कोटेदार शरीफ भी शामिल है!जेल जाने के बाद कोटेदार शरीफ की राशन की दुकान को निलंबित कर दिया गया है! पूर्ति निरीक्षक पिंटू सिंह ने बताया कशीनगर के इस कोटे दुकान का लाइसेंस निलंबित कर सदर बाजार के कोटेदार अबरार लाला से सम्बद्ध कर दिया गया है जहाँ से राशन की आपूर्ति मिलेगी!

कांग्रेस नगर अध्यक्ष ने पद व पार्टी की सदस्यता से दिया इस्तीफा

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। 2027 विधानसभा चुनाव जैसे ही नजदीक आ रहे है, वैसे-वैसे 159 बिलग्राम मल्लावां विधानसभा क्षेत्र की राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ती जा रही है, जिसका एक उदाहरण बीते शुक्रवार को देखने को मिला जिसमें कांग्रेस पार्टी के मल्लावां नगर के नगर अध्यक्ष जुबेर आलम अंसारी ने अपने पद व पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। कयास यह लगाया जा रहा हैं कि बहुत ही जल्द वह समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं।

विधायक ने 30 अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र प्रदान किए

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। विधानसभा क्षेत्र सवायजपुर के गन्ना कृषक महाविद्यालय में विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू के संयोजन में Quess के सौजन्य से आयोजित वृहद रोजगार मेला में सम्मिलित होकर प्रतिभाग कर रहें अभ्यर्थियों से संवाद करते हुए उनके उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मेले में प्रतिभाग कर रही विभिन्न कम्पनियां जिसमें TATA Motors, Panasonic, phone pay, ICS food जैसी कम्पनियों के अधिकारियों द्वारा लिए गए साक्षात्कार में कुल 130 सफल अभ्यर्थियों में से 30 अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र प्रदान करते हुए शेष चयनित अभ्यर्थियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर सहकारी बैंक के अध्यक्ष अशोक सिंह, ब्लाक प्रमुख अनिल सिंह राजपूत, जिला पंचायत सदस्य श्याम सिंह, विधायक प्रतिनिधि रजनीश त्रिपाठी, कम्पनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजनीश कुमार सिंह सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रीय सम्मानित जन उपस्थित रहें।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भारतीय ज्ञान परंपरा कार्यक्रम पर आधारित 'भारत बोध परीक्षा-2026' का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली तथा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय स्तर पर संपूर्ण भारतवर्ष के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्यनरत स्नातक तथा परास्नातक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। जिसमें जनपद के एकमात्र परीक्षा केंद्र डॉ० राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय, अल्लीपुर, हरदोई में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। परीक्षा के उपरांत विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के सदस्य तथा परीक्षा के पर्यवेक्षक डॉ० योगेंद्र सिंह ने प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हमारी प्राचीन सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर का संरक्षण और पुनर्जीवन करना है। भारतीय ज्ञान प्रणाली में विज्ञान, कला, दर्शन, गणित, खगोलशास्त्र, चिकित्सा और व्याकरण जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से इन प्राचीन परंपराओं को आधुनिक संदर्भ में पुन: प्रासंगिक बनाया जा सकता है। यह न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करेगाए बल्कि वैश्विक समस्याओं के समाधान में भी योगदान देगा, क्योंकि भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण संरक्षण, आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रणाली और सतत विकास की अवधारणाएँ निहित हैं। आधुनिक भारत में आत्मनिर्भरता के उद्देश्य को साकार करने में भी यह कार्यक्रम सहायक होगा, क्योंकि इसमें स्वदेशी तकनीकों और आत्मनिर्भरता की परंपराएँ निहित हैं। भारतीय ज्ञान प्रणाली के गहन वैचारिक ज्ञान को शामिल करना आज के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पाठ्यक्रम भारत की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डालता है और भारत की धरोहर और विरासत पर गर्व करें का संदेश देने का प्रयास करता है। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष डा० शीर्षेन्दु शील त्रिवेदी ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम में शामिल करने से छात्रों में अपनी सांस्कृतिक पहचान के प्रति गर्व और आत्मविश्वास का विकास होगा साथ ही आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ पारंपरिक ज्ञान का समन्वय स्थापित कर शोध और नवाचार के नए अवसर प्रदान करेगा। भारतीय सभ्यता की दो अनूठी और विशिष्ट विशेषताएं हैं। पहली, यह आधुनिक विश्व में एकमात्र जीवित सभ्यता है, जो अपने अतीत से जीवंत संबंध बनाए हुए है। दूसरी, जब कहीं भी, कोई भी जीवन, मृत्यु, अस्तित्व के अर्थ और उद्देश्य जैसे शाश्वत प्रश्नों से जूझता है और जीवन के शाश्वत सत्य को अनुभव करना चाहता है, तो भारत में ही उन्हें शांति और समाधान मिलता है। भारत के समृद्ध अतीत से प्रेरणा लेकर और उन प्रथाओं को समझते हुए, जो अपने समय से बहुत आगे थीं और पूरी तरह से सतत विकास पर आधारित थी, एक नए भारत का निर्माण संभव है। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों और विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के बारे में जागरूकता विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। परीक्षा के संयोजक डॉ० शशिकांत पांडे ने कहा आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिकतावर्तमान समय में, अतीत की प्रथाओं का मूल्यांकन करना और उन्हें समाज के उत्थान के लिए लागू करना आवश्यक हो गया है। यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को भारतीय ढांचे और मॉडलों का उपयोग करके स्वतंत्र और मौलिक रूप से सोचने में सक्षम बनाता है, ताकि वर्तमान व्यावसायिक दुनिया की समस्याओं को हल किया जा सके। यह पाठ्यक्रम उच्च शिक्षा संस्थानों के सभी शिक्षकों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के प्रति जागरूकता विकसित करने और प्राचीन भारतीय प्रथाओं को समझने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय स्थापित करता है और शिक्षकों को प्रेरित करता है कि वे इसे अपने शिक्षण और अनुसंधान में प्रभावी रूप से शामिल करें। वैश्वीकरण के इस युग मेंए यह कार्यक्रम हमारी संस्कृति और पहचान को संरक्षित करते हुए, नैतिकता और आध्यात्मिकता के सिद्धांतों को बढ़ावा देकर समाज में शांति और सामंजस्य स्थापित करने में सहायक होगा। साथ ही, यह शोधकर्ताओं और छात्रों को भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध पहलुओं पर शोध करने और उन्हें नई दृष्टि से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करेगा। भारतीय ज्ञान परंपरा कार्यक्रम, हमारी सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक संदर्भ में उपयोगी बनाते हुए, न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए ज्ञान और विकास का एक अमूल्य स्रोत साबित हो सकता है। परीक्षा के सह-संयोजक आनंद विशारद ने कहा कि यह शिक्षकों के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के क्षेत्र में अवलोकन और जागरूकता प्रदान करता है। इसमें सीखे गए सिद्धांत तकनीकी और गैर-तकनीकी डिप्लोमा/ स्नातक/ स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में एक स्वतंत्र पाठ्यक्रम के रूप में पेश किए जा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ० गीता सिंह ने किया कार्यक्रम में सभी शिक्षक व छात्र व छात्राएं उपस्थित रहीं।

फार्म 6 भरकर कर छूटे मतदाता अपना नाम वोटर लिस्ट में शामिल करा सकते है: डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट में छूटने न पाये: अनुनय झा

हरदोई। निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुरीक्षण अभियान के अन्तर्गत आज इंग्लिस मीडियम जूनियर हाई स्कूल टोडरपुर के प्रागंण विशेष अभियान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी अनुनय झा ने उपस्थित ग्रामवासियों से वार्ता करते हुए कहा कि जो लोग बाहर रहते है या किसी ग्रामवासी का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है तथा नव विवाहित महिलाओं एवं 18 वर्ष के ऊपर से सभी लोग फार्म 6 भरकर कर आज ही बीएलओ के पास जमाकर अपना नाम वोटर लिस्ट में शामिल करा सकते है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट में छूटने न पाये। उन्होने कहा कि बीएलओ द्वारा गांव मतदाताओं के नाम पढ़कर बताये जायेगें और जिस व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट नहीं होगा, उसका फार्म 6 भराकर उसका नाम वोटर लिस्ट में जोड़ा जायेगा। इससे पहले जिलाधिकारी ने भोजन कर रहे विद्यालय के बच्चों से मिड् डे मील के बारे में जानकारी ली तथा प्रधानाचार्य को बच्चों को गुणवत्ता परक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इस अवसर अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी शाहाबाद, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, बीएलओ एवं भारी संख्या में ग्रामवासी आदि उपस्थित रहे।

विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में शनिवार को पलिया गाँव में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन की शुरुआत जीनियस पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा दी गई शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। नन्हे.मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया और भारतीय संस्कृति की झलक पेश की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सह.क्षेत्र कार्यवाह अनिल ने सभा को संबोधित करते हुए भारतीय समावेशी संस्कृति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज के संस्कारवान होने से ही राष्ट्र की उन्नति संभव है। वहींए विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे संत महेशपुरी ने समाज में नैतिकता और एकजुटता की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में जिला प्रचारक अनिल, के.पी. सिंह, रामप्रताप, लोकेंद्र, गजेंद्र सिंह चौहान, अनुराग श्रीवास्तव, रूपेश सिंह और अरविन्द मिश्रा 'चग्गा', इंद्रेश अग्निहोत्री, चंद्रप्रकाश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विवेक कुमार सिंह ने किया।

लमकन में विधवा ताई से मारपीट, लाठी से पैर तोड़ेय तीन पर मुकदमा दर्ज

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के लमकन गांव में एक युवक ने अपनी मां और चाचा के साथ मिलकर विधवा ताई के साथ जमकर मारपीट की। आरोप है कि युवक ने लाठी से महिला के दोनों पैर तोड़ दिए। गंभीर रूप से घायल महिला का मेडिकल कॉलेज हरदोई में उपचार चल रहा है। पुलिस ने पीड़िता के भतीजे की तहरीर पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। सांडी थाना क्षेत्र के सादुल्लापुर गांव निवासी भरत शुक्ला ने शनिवार को हरपालपुर थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी बुआ चंद्रा देवी पत्नी स्वर्गीय चंद्र प्रकाश दीक्षित लमकन गांव में अकेली रहती हैं और उनकी कोई संतान नहीं है। आरोप है कि करीब 15 दिन पूर्व चंद्रा देवी के घर से उनके देवर रामप्रकाश के पुत्र रोहित ने रुपये चोरी कर लिए थे। शुक्रवार शाम जब चंद्रा देवी ने चोरी के रुपये वापस मांगे तो रोहित आग.बबूला हो गया। आरोप है कि रोहित अपनी मां और चाचा अनूप के साथ मिलकर चंद्रा देवी के घर में घुस गया और लाठी.डंडों से बेतहाशा मारपीट की। मारपीट में महिला मरणासन्न हो गईं और रोहित ने लाठी से उनके पैर तोड़ दिए। घटना के बाद पड़ोसियों ने घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरपालपुर पहुंचायाए जहां से हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर कर दिया गया। पीड़िता का इलाज वहीं चल रहा है। भरत शुक्ला ने यह भी आरोप लगाया कि रोहित इससे पहले भी चंद्रा देवी के घर से अनाज चोरी कर चुका है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया

कि तहरीर के आधार पर रोहितए उसकी मां और चाचा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। घायल महिला के मेडिकल परीक्षण के लिए मेडिकल कॉलेज के चिकित्साधिकारी को पत्र भेजा गया है। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-चन्द्रमपुर पंचशाला, विकास खण्ड-साण्डी, हरदोई

पत्रांक-मेमो/ निविदा/राज्य वित्त/ पन्द्रहवाँ वित्त/ 2025-26 दिनाँक-31.01.2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण

ग्राम पंचायत-चन्द्रमपुर पंचशाला में निर्माण कार्य के लिए ईंट, बालू, सीमेण्ट, मौरंग आदि समस्त मैटेरियल की सप्लाई कार्यस्थल पर करने के लिए पंजीकृत फर्मो / भट्ठा मालिकों से दिनाँक-01.02.2026 से दिनाँक-05.02.2026 को 02:00 बजे तक मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। जो उसी दिन 05.02.2026 को 04:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में आपूर्तिकर्ताओं के समक्ष खोली जाएंगी।

कार्यो के नाम:-

1- अवधेश के मकान से रामदास के खेत तक इण्टरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य। 75X3 मीटर, अनुमानित लागत- 375897.00 रु

2- अखिलेश के मकान से संतोष के खेत तक इण्टरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य। 50X3 मीटर, अनुमानित लागत- 271540.00 रु

नोट:-निविदा के नियम व शर्तों:-

1- निविदा फर्म का पंजीकरण आयकर व व्यापारकर विभाग एवं जीएसटी पंजीकरण होना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र मूल्य-100 रु । निविदा सक्षम अधिकारी द्वारा निरस्त व आगे बढ़ाई जा सकती है जिसका पूर्ण अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।

(अश्वनी कुमार श्रीवास्तव)
प्रधान
ग्राम पंचायत-चन्द्रमपुर पंचशाला,
विकास खण्ड- साण्डी, हरदोई

(गिरींद्र वर्मा)
सचिव
ग्राम पंचायत-चन्द्रमपुर पंचशाला,
विकास खण्ड- साण्डी, हरदोई

धूमधाम से मनाया गया विद्यालय का वार्षिकोत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मौजूद अध्यापकगण फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। उच्च प्राथमिक विद्यालय गौरिया पुरवा में विद्यालय का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय में आये अतिथि गणों के स्वागत से हुआद्य सर्वप्रथम विद्यालय के बच्चों की 100 मीटर व 200 मीटर की दौड़ की प्रतियोगिता कराई गई। जिसमे छवि कक्षा 7 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की इसी श्रृंखला में बच्चों ने श्हम होंगे कामयाब एक दिनश् नामक देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। इसी श्रृंखला में प्रधान मुनेन्द्र कुमार ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश को शिक्षा के मामले में निपुण बनाने की मुहिम चलाई जा रही है इसमें हम सबको सहयोग देना चाहिए। कार्यक्रम में पूनम अवस्थी सहायक अध्यापक, सिद्धार्थ कुमार सहायक अध्यापक, उदय कुमार आर्य, शिप्रा, अनंत राम, राम सेवक आदि अन्य अतिथि गण उपस्थित रहे।

ओबीसी महासभा और अंबेडकर समिति ने जातिगत जनगणना की मांग को लेकर प्रदर्शन किया, नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौपते पदाधिकारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। ओबीसी महासभा अंबेडकर सेवा समिति ने संयुक्त रूप से जातिगत जनगणना कराने की मांग को लेकर शनिवार को दोपहर अंबेडकर पार्क में एकत्रित होकर प्रमुख मार्गों पर प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंप कर जातिगत जनगणना कराने और यूजीसी लागू करने की मांग की। ओबीसी महासभा के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मिथिलेश शर्मा के नेतृत्व में ओबीसी के अतिरिक्त एससी एसटी वर्ग के लोग बड़ी संख्या में अंबेडकर पार्क में एकत्रित हुए। यहां से एक जुलूस में नारेबाजी करते हुए डाक बंगले के सामने से ब्लाक चौराहा होते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे। यहां पर नारेबाजी करते हुए राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार संतोष कुशवाहा को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया पिछले सात वर्षों से ओबीसी महासभा जातिगत जनगणना कराने की मांग को लेकर लगातार ज्ञापन दे रही है। उसके बाद भी जनगणना प्रपत्रों में ओबीसी का कॉलम नहीं जोड़ा गया। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि अगर ऐसा नहीं होता है तो संगठन मजबूरन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर सभासद आदित्य गौतम, नरवेश कुमार, राजकुमार जिंदल, जितेंद्र कुशवाहा, प्रमोद कुमार, जगजीत सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

अति आशावाद से बचें

देश में आम बजट से पहले सामने आने वाले आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को लचीला व गतिशील बनाने पर बल दिया गया है। यह सर्वेक्षण उन चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है, जिनके लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है। दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में चालू वित्तीय वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद दर यानी जीडीपी के 7.4 रहने का भरोसा जताया गया है। वहीं आर्थिक सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकास वृद्धि दर के 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इस अनुमान में सीमापरक तनाव, व्यापार में व्यवधान और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को भी ध्यान में रखा गया है। निश्चित रूप से यह सावधानीपूर्वक दर्शाया गया आशावादी दृष्टिकोण घरेलू मांग, उपभोग और निवेश की मजबूती को ही दर्शाता है। इसके बावजूद कि तमाम बाहरी जोखिम विद्यमान हैं, मसलन टैरिफ को लेकर आपूर्ति शृंखला में तनाव व देश की अपेक्षाओं का संतुलन बनाना शामिल है। यह सार्थक है कि सर्वेक्षण यथार्थवाद को नजरअंदाज नहीं करता है, जो यह भी दर्शाता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पूंजी प्रवाह व मुद्रा की ताकत से ही सफलता सुनिश्चित नहीं होती। यह भी हकीकत है कि एआई जैसी नई तकनीकों से होने वाले लाभ असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। लेकिन इसके लिये भी सहायक मानव संसाधन और विनियामक ढांचे की जरूरत होती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां श्रम शक्ति का बाहुल्य है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश होने का लाभ उठाएं। इसके लिये कौशल विकास को प्राथमिकता देने की सख्त जरूरत है, जिससे हम गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों के जरिये विश्व में आर्थिक स्पर्धा का मुकाबला कर सकें। ये कदम हमारे निर्यात बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं। कालांतर में ये हमारे व्यापार घाटे को कम करने में भी मददगार साबित हो सकता है। इसमें दो राय नहीं है कि हालिया आर्थिक सर्वेक्षण के जरिये एक महत्वाकांक्षी रोड मैप बनाने का प्रयास किया गया है, जिसके अंतर्गत स्वदेशी अभियान को तरजीह देने से लेकर रणनीतिक लचीलेपन और रणनीतिक अनिवार्यता भारत की आर्थिक क्षमता की परीक्षा लेने वाला साबित हो सकता है। लेकिन इसके लिये जरूरी है कि भारत में उत्पादित वस्तुओं की साख को अंतर्राष्ट्रीय आकांक्षाओं के अनुरूप बनाया जाए। निस्संदेह, विश्व में भारतीय उत्पाद 'खरीदने के बारे में सोचने' से स्थिति को 'बिना सोचे भारतीय उत्पाद खरीदने' वाली सोच विकसित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इस स्थिति के लिये हमें विनिर्माण क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्धता की सख्त जरूरत होगी। निस्संदेह, हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ संपन्न हुए ऐतिहासिक समझौते को लेकर अर्थव्यवस्था में खासा उत्साह देखा जा रहा है, जिसके अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव की उम्मीद की जा रही है। वहीं दूसरी ओर लंबे समय से लटके हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता लगातार बनी हुई है। सर्वेक्षण में इस बाबत कहा गया है कि इस वित्तीय वर्ष में इस एफटीए के सिरे चढ़ने की उम्मीद है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी को कितना मिलता है। सवाल यह भी है कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी के जीवन को बदलने में कितना मददगार होगा। एआई और तकनीक क्रांति के दौर में भारतीय विपुल श्रम शक्ति का बेहतर उपयोग कैसे हो सकता है। भारत दुनिया में सबसे युवा श्रम शक्ति वाला देश है तो क्या हम उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार देने में सक्षम होंगे, ताकि वे विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान दे सकें। जरूरत इस बात की है कि देश में बेरोजगारी की दर कम हो और युवाओं के विदेश पलायन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये पहल की जाए। वहीं दूसरी ओर फिसलन वाली जमीन पर चलते हुए सर्वेक्षण में दो दशक पुराने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों में बदलाव की मंशा जतायी गई है। निस्संदेह, ऐसे किसी बदलाव का आधार तार्किक होना चाहिए।

दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में चालू वित्तीय वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद दर यानी जीडीपी के 7.4 रहने का भरोसा जताया गया है। वहीं आर्थिक सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकास वृद्धि दर के 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इस अनुमान में सीमापरक तनाव, व्यापार में व्यवधान और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को भी ध्यान में रखा गया है। निश्चित रूप से यह सावधानीपूर्वक दर्शाया गया आशावादी दृष्टिकोण घरेलू मांग, उपभोग और निवेश की मजबूती को ही दर्शाता है। इसके बावजूद कि तमाम बाहरी जोखिम विद्यमान हैं, मसलन टैरिफ को लेकर आपूर्ति शृंखला में तनाव व देश की अपेक्षाओं का संतुलन बनाना शामिल है।

भारत का निम्न मध्यम आय से उच्च मध्यम आय श्रेणी में अग्रसर होना

प्रहलाद सबनानी

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को निम्न आय श्रेणी से बाहर निकलकर निम्न मध्यम आय श्रेणी में पहुँचने में लगभग 60 वर्षों का समय लगा। वर्ष 1962 में भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय मात्र 90 अमेरिकी डॉलर थी, जो मिश्रित वार्षिक 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2007 में बढ़कर 910 अमेरिकी डॉलर हो गई। इसी वर्ष भारत को विश्व बैंक द्वारा औपचारिक रूप से निम्न मध्यम आय श्रेणी में शामिल किया गया। यह परिवर्तन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव था, किंतु इसके पश्चात विकास की गति में जो तेजी आई, वह कहीं अधिक उल्लेखनीय सिद्ध हुई। यदि सकल घरेलू उत्पाद के आकार पर दृष्टि डालें, तो भारत को वर्ष 2007 में एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में लगभग छह दशक लगे।

भारत आज अपने आर्थिक इतिहास के एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुका है। पिछले कुछ दशकों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में जिस गति से परिवर्तन और विस्तार देखने को मिला है, उसने न केवल देश के आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ किया है बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में भारत के निम्न मध्यम आय श्रेणी से उच्च मध्यम आय श्रेणी में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को निम्न आय श्रेणी से बाहर निकलकर निम्न मध्यम आय श्रेणी में पहुँचने में लगभग 60 वर्षों का समय लगा। वर्ष 1962 में भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय मात्र 90 अमेरिकी डॉलर थी, जो मिश्रित वार्षिक 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2007 में बढ़कर 910 अमेरिकी डॉलर हो गई। इसी वर्ष भारत को विश्व बैंक द्वारा औपचारिक रूप से निम्न मध्यम आय श्रेणी में शामिल किया गया। यह परिवर्तन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव था, किंतु इसके पश्चात विकास की गति में जो तेजी आई, वह कहीं अधिक उल्लेखनीय सिद्ध हुई। यदि सकल घरेलू उत्पाद के आकार पर दृष्टि डालें, तो भारत को वर्ष 2007 में एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में लगभग छह दशक लगे। इसके पश्चात मात्र सात वर्षों में, अर्थात वर्ष 2014 तक भारत का सकल घरेलू उत्पाद बढ़कर दो लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके अगले सात वर्षों में, वर्ष 2021 तक यह तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गया। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि केवल चार वर्षों के भीतर वर्ष 2025 में भारत ने चार लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का आंकड़ा भी पार कर लिया। विभिन्न आर्थिक आकलनों के अनुसार आगामी दो से तीन वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर सकता है। प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भी भारत की प्रगति इसी प्रवृत्ति को दर्शाती है। वर्ष 2009 में भारत को प्रति व्यक्ति आय के 1,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचने में 62 वर्षों का समय लगा था। किंतु इसके बाद केवल दस वर्षों अर्थात वर्ष 2019 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गई। वर्तमान अनुमानों के अनुसार वर्ष 2026 तक भारत में प्रति व्यक्ति आय 3,000 अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2030 तक 4,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है। इसी आधार पर यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 तक भारत निम्न मध्यम आय श्रेणी से निकल कर उच्च मध्यम आय श्रेणी में प्रवेश कर जाएगा, जिस श्रेणी में आज चीन और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। विश्व बैंक द्वारा विश्व के देशों को प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिनमें निम्न आय, निम्न मध्यम आय, उच्च मध्यम आय और उच्च आय शामिल हैं। वर्तमान परिभाषा के अनुसार किसी देश को उच्च आय श्रेणी में शामिल होने के लिए उसकी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 13,926 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करनी आवश्यक होती है। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 7.5 प्रतिशत की वार्षिक संयुक्त वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। यह वृद्धि दर अव्यावहारिक नहीं मानी जा सकती क्योंकि पिछले 23 वर्षों के दौरान भारत की औसत वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत रही है। इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि भारत आगामी कुछ वर्षों में ही प्रति व्यक्ति औसत आय 4,500 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो सकता है। इसके पश्चात वर्ष 2047 तक उच्च आय श्रेणी में प्रवेश करने के लिए भारत को प्रति व्यक्ति आय को लगभग 18,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचाना होगा। इसके लिए आगामी 23 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में लगभग 8.9 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर की आवश्यकता होगी। यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसी आर्थिक नीतियाँ बनाती हैं, जिनका लाभ समाज के सबसे गरीब और वंचित वर्ग तक सुनिश्चित रूप से पहुँचे तो यह लक्ष्य भी कठिन नहीं प्रतीत होता। वैश्विक स्तर पर यदि तुलना की जाए तो 139 विकासशील और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से केवल छह देशों की अर्थव्यवस्थाएँ भारत की तुलना में अधिक तेज गति से विकास कर पाई हैं। इसके बावजूद विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत आज भी सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। छोटे देशों के सकल घरेलू उत्पाद का आकार सीमित होने के कारण उनकी प्रतिशत वृद्धि दर अधिक दिखाई देती है, किंतु जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ता है, वैसे-वैसे उच्च वृद्धि दर बनाए रखना कठिन होता जाता है। इस संदर्भ में भारत की आर्थिक उपलब्धियाँ और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। विश्व बैंक के आँकड़े यह भी दर्शाते हैं कि वर्ष 1990 में विश्व में निम्न आय श्रेणी के देशों की संख्या 51 थी, जो वर्ष 2024 तक घटकर 26 रह गई है। इसी प्रकार निम्न मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या भी घटकर 50 रह गई है, जबकि उच्च मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 54 और उच्च आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है। यह परिवर्तन वैश्विक आर्थिक संरचना में हो रहे सकारात्मक बदलाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। चीन और गयाना जैसे देशों के उदाहरण इस प्रक्रिया को और अधिक स्पष्ट करते हैं। चीन वर्ष 1990 में मात्र 330 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ निम्न आय श्रेणी में था, किंतु वर्ष 2010 तक उसकी प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 4,410 अमेरिकी डॉलर हो गई और वह उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो गया। इसी प्रकार गयाना जैसे छोटे देश ने भी कुछ ही दशकों में निम्न आय श्रेणी से निकलकर उच्च आय श्रेणी में स्थान बना लिया। इन उदाहरणों से यह सिद्ध होता है कि यदि उपयुक्त आर्थिक नीतियाँ, संसाधनों का सही उपयोग और राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद हो तो तीव्र आर्थिक परिवर्तन संभव है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो से तीन वर्षों में इसके तीसरे स्थान पर पहुँचने की पूरी संभावना है। अनुमान है कि वर्ष 2027-28 तक भारत की अर्थव्यवस्था पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2035-36 तक दस लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है। इस संपूर्ण विकास यात्रा में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज को दिए गए पंच परिवर्तन कार्यक्रम, जिसमें नागरिक कर्तव्यों का पालन, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण तथा कुटुम्ब प्रबोधन जैसे विषय शामिल हैं, यदि व्यापक स्तर पर अपनाए जाएँ तो भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा मिल सकती है। जब समाज, सरकार और संस्थाएँ एकजुट होकर कार्य करती हैं, तभी किसी राष्ट्र का समग्र और संतुलित विकास संभव हो पाता है।

समाज के लिए सर्वस्व समर्पण करने वाली बुधरी ताती

प्रियंका कौशल

दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के छोटे से गांव हीरानार निवासी बुधरी ताती का जन्म 15 सितम्बर 1966 को हुआ। समाज सेवा का जुनून ऐसा कि 15 साल की उम्र से ही परिजनों की मनाही के बावजूद दूसरों की मदद करना शुरू कर दिया। बड़ी दीदी के नाम से प्रसिद्ध बुधरी जी पिछले 36 साल से लगातार समाज सेवा के लिए काम कर रहीं हैं। इस काम में गृहस्थी बाधक न बन सके, इसके लिए खुद का घर तक नहीं बसाया। विभिन्न समाज सेवा के साथ बुधरी बारसूर में महिला प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना कर अब तक 550 महिलाओं को प्रशिक्षित कर चुकी हैं। इनके इस समाजसेवा के जूनुन को देखते हुए उन्हें पं. सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में पीएचडी की मानद उपाधि भी दी गयी। प्रदेश के सुदूर आदिवासी अंचल गीदम, दंतेवाड़ा के हीरानार गांव से बुधरी ताती ने महिला उत्थान एवं जागरण का कार्य प्रारंभ किया।

बुधरी ताती, ये नाम शायद आपने पहले ना सुना हो। लेकिन दक्षिण बस्तर में बुधरी ताती महिला सशक्तिकरण का दूसरा नाम है। उन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री देने की घोषणा की है। दक्षिण बस्तर यानि दंतेवाड़ा से अबूझमाड़ तक फैला धुर नक्सल प्रभावित इलाका। एक ऐसा इलाका जहां चप्पे-चप्पे पर मौत अपना शिकार ढूंढती थी। बारूद, गोली, एनकाउंटर, पुलिस-नक्सली संघर्ष वाले इस क्षेत्र में बुधरी ताती 80 के दशक से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता की अलख जगा रही हैं। 1985 में 12 आदिवासी बच्चों के छात्रावास को प्रारंभ कर अपने सामाजिक जीवन की शुरुआत करने वाली बुधरी ताती ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के छोटे से गांव हीरानार निवासी बुधरी ताती का जन्म 15 सितम्बर 1966 को हुआ। समाज सेवा का जुनून ऐसा कि 15 साल की उम्र से ही परिजनों की मनाही के बावजूद दूसरों की मदद करना शुरू कर दिया। बड़ी दीदी के नाम से प्रसिद्ध बुधरी जी पिछले 36 साल से लगातार समाज सेवा के लिए काम कर रहीं हैं। इस काम में गृहस्थी बाधक न बन सके, इसके लिए खुद का घर तक नहीं बसाया। विभिन्न समाज सेवा के साथ बुधरी बारसूर में महिला प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना कर अब तक 550 महिलाओं को प्रशिक्षित कर चुकी हैं। इनके इस समाजसेवा के जूनुन को देखते हुए उन्हें पं. सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में पीएचडी की मानद उपाधि भी दी गयी। प्रदेश के सुदूर आदिवासी अंचल गीदम, दंतेवाड़ा के हीरानार गांव से बुधरी ताती ने महिला उत्थान एवं जागरण का कार्य प्रारंभ किया। ताती ने 18 वर्ष की आयु में ही समाज के लिए राष्ट्रीय कार्य का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर बस्तर अंचल के भानपुरी में वर्ष 1985 में 12 छात्राओं को लेकर छात्रावास प्रारंभ किया। इन्होंने वर्ष 1986 में दक्षिण बस्तर के बारसूर को केन्द्र बनाकर महिला जागरण एवं सशक्तिकरण का श्री गणेश किया। 1986 में अबूझमाड़ व दक्षिण बस्तर के 400 गांवों में अपने सहयोगियों के साथ आदिवासी महिलाओं में सामाजिक चेतना व स्वाभिमान भाव जागृत करने पदयात्रा की। बुधरी ने वर्ष 1987 में बारसूर में महिला प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की, जिसमें अब तक 500 से ज्यादा महिलाएं प्रशिक्षित हो चुकी हैं। इन वनवासी महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, गृह और कुटीर उद्योग में प्रशिक्षित किया गया है। सन् 1990 मे बारसूर में कन्या छात्रावास का शुभारंभ भी किया गया। बुधरी हीरानार में स्थापित माँ शंखिनी महिला उत्थान केंद्र के माध्यम से विगत 14 वर्षों से नशामुक्ति, नशापान से दूर रहने की शिक्षा, संस्कार व स्वास्थ्य जागरण द्वारा जनजाति समाज के उत्थान के लिए कार्यरत हैं। जनजातीय समाज के उत्थान में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें इस वर्ष पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। 1986 से 1987 तक पूरे वर्ष भर अबूझमाड़ में पैदलयात्रा कर 400 गांवों से संपर्क साधा और वहां रहने वाली महिलाओं को सशक्त बनाने का काम बुधरी ताती ने किया है। महज 15 वर्ष की आयु में शुरु हुई बुधरी ताती की ये यात्रा कभी नहीं रुकी। बचपन में ही स्कूल छोड़ देने वाली महिलाओं को खोज-खोजकर पढ़ाने वाली बुधरी ताती खुद केवल दसवीं पास हैं। उनके प्रयास से 550 आदिवासी महिलाओं ने सिलाई,बुनाई और अन्य हुनर सीखकर कुटीर उद्योग चलाने के लिए ट्रेनिंग ले चुकी हैं। बुधरी ताती ने अबूझमाड़ के कई गावों में लोगों को प्रतिदिन नहाना सिखाया। देवी प्रकोप के डर से दवाई ना खाने वाले आदिवासियों को बुधरी ताती ताती ने दवाई खाना सिखाया। उनके मन का डर दूर किया कि दवाई खाने से देवी-देवता नाराज नहीं होते हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि सुदूर बस्तर के हीरानार में बुधरी ताती वृद्धाश्रम भी चला रही हैं। उनकें वृद्धाश्रम में कई बूढ़ी महिलाओं को शरण दी है, जिन्हें किसी कारणवश अपना घर नसीब नहीं है। बुधरी ताती ने बिना किसी सरकारी सहायता के ये कार्य सम्पन्न किये। बच्चों का छात्रावास, आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण, उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य का अभियान बुधरी ताती अपने दम-खम से ही चला रही हैं। उनका साथ उनकी परछाई की तरह शांति बेक देती हैं, जो रिश्ते में उनकी भतीजी हैं। बुधरी और उनकी टीम की सभी महिलाओं ने अविवाहित रहने का संकल्प लिया है और अपना पूरा जीवन बस्तर के लोगों के नाम कर दिया है। सुश्री तांती को नागपुर में नवंबर 1998 में भारतीय स्त्री-शक्ति पुरस्कार, जनवरी 2001 में नानू फाउंडेशन, पुणे द्वारा सम्मान, पिंडवाड़ा, राजस्थान में जनजाति समाज की ओर से सम्मान, सेवा प्रकल्प संस्थान, आगरा द्वारा नागरिक सम्मान, सितंबर 2006 में सामाजिक समरसता, महिला सम्मेलन, जयपुर द्वारा सम्मान, नवंबर 2007 में महिला उत्थान के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिनी माता सम्मान और जनवरी 2008 को श्रीश्री रविशंकर धाम बैंगलोर में जनजातीय महिला प्रतिनिधि के रूप में सम्मान प्राप्त हुआ है। बस्तर के धर्मपाल सैनी, अजय मंडावी, हेमचंद मांझी और पंडी राम मंडावी को पहले पद्मश्री पुरस्कार से नवाज़ा जा चुका है। अब बस्तर की बुधरी ताती और गढ़बोले दंपति को पद्मश्री देने की घोषणा हुई है।

आर्थिक सर्वेक्षण से बजट तक : भविष्य के भारत की तलाश

ललित गर्ग

बजट से पूर्व प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण ने सरकार की सोच और नीति-दृष्टि के कई संकेत दिए हैं। इसमें विकास को केवल आंकड़ों की वृद्धि तक सीमित न रखकर अवसरों के विस्तार, समावेशी विकास और दीर्घकालिक स्थिरता पर जोर दिया गया है। यह स्वीकार किया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां अवश्य हैं, किंतु उनसे अधिक संभावनाएं हैं। यही दृष्टिकोण इस बजट का मूल स्वर होना चाहिए-चुनौतियों को अवसरों में बदलने का साहसिक प्रयास। सबसे पहली और महत्वपूर्ण अपेक्षा निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने को लेकर है। किसी भी अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती तभी आती है जब उसके सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सम्मानजनक जीवन जी सके और उपभोग में भागीदार बने। यदि निम्न आय वर्ग की आय बढ़ती है, उसे सस्ती और सुलभ सुविधाएं मिलती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव मांग पर पड़ता है और मांग बढ़ने से उत्पादन, निवेश और रोजगार-तीनों को गति मिलती है। इसलिए इस बजट में प्रत्यक्ष नकद अंतरण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च के साथ-साथ रोजगार सृजन के ठोस उपाय अपेक्षित हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद के पटल पर प्रस्तुत किया जाने वाला बजट केवल आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि वह देश की आर्थिक दिशा, सामाजिक प्राथमिकताओं और भविष्य की संभावनाओं का दर्पण होता है। आज जब भारत एक ओर तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में विश्व मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है और दूसरी ओर वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, जलवायु संकट और तकनीकी परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब यह बजट और भी अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। व्यक्तिगत नागरिक से लेकर व्यापारी, उद्योगपति, किसान, श्रमिक, युवा और मध्यम वर्ग-सभी की निगाहें इस बजट पर टिकी हैं, क्योंकि इससे न केवल वर्तमान वर्ष की आर्थिक तस्वीर, बल्कि ह्लभविष्य के भारतङ्क की झलक भी मिलती है। बजट से पूर्व प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण ने सरकार की सोच और नीति-दृष्टि के कई संकेत दिए हैं। इसमें विकास को केवल आंकड़ों की वृद्धि तक सीमित न रखकर अवसरों के विस्तार, समावेशी विकास और दीर्घकालिक स्थिरता पर जोर दिया गया है। यह स्वीकार किया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां अवश्य हैं, किंतु उनसे अधिक संभावनाएं हैं। यही दृष्टिकोण इस बजट का मूल स्वर होना चाहिए-चुनौतियों को अवसरों में बदलने का साहसिक प्रयास। सबसे पहली और महत्वपूर्ण अपेक्षा निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने को लेकर है। किसी भी अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती तभी आती है जब उसके सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सम्मानजनक जीवन जी सके और उपभोग में भागीदार बने। यदि निम्न आय वर्ग की आय बढ़ती है, उसे सस्ती और सुलभ सुविधाएं मिलती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव मांग पर पड़ता है और मांग बढ़ने से उत्पादन, निवेश और रोजगार-तीनों को गति मिलती है। इसलिए इस बजट में प्रत्यक्ष नकद अंतरण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च के साथ-साथ रोजगार सृजन के ठोस उपाय अपेक्षित हैं। मनरेगा जैसे कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण, शहरी गरीबों के लिए भी समान प्रकृति की योजनाएं और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। शहरी विकास इस बजट का एक और प्रमुख केंद्र होना चाहिए। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है और शहरों पर जनसंख्या, आवास, परिवहन, जल, स्वच्छता और पर्यावरण का दबाव लगातार बढ़ रहा है। केवल बड़े महानगरों पर निर्भरता अब व्यावहारिक नहीं रही। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा द्वारा सुझाया गया शहरी विकेंद्रीकरण का विचार आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। छोटे और मध्यम शहरों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाना, उद्योगों और सेवाओं को वहां प्रोत्साहित करना, न केवल महानगरों पर बोझ कम करेगा बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन को भी घटाएगा। बजट में यदि टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए विशेष शहरी अवसंरचना पैकेज, परिवहन नेटवर्क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास योजनाएं लाई जाती हैं, तो यह दूरगामी परिवर्तन का आधार बन सकता है। वैश्विक स्तर पर टैरिफ, व्यापार अवरोध और संरक्षणवाद की प्रवृत्तियां भारत के लिए चुनौती भी हैं और अवसर भी। अजय बंगा का यह कथन कि टैरिफ पर अधिक चिंता करने के बजाय व्यापारिक अवसरों पर ध्यान दिया जाना चाहिए, भारत की वर्तमान स्थिति के लिए उपयुक्त दृष्टि प्रदान करता है। भारत के पास विशाल घरेलू बाजार, युवा जनसंख्या, डिजिटल क्षमताएं और उद्यमशीलता की प्रबल ऊर्जा है। यदि यह बजट निर्यात-उन्मुख उद्योगों, स्टार्ट-अप्स, मैन्युफैक्चरिंग और वैल्यू-एडेड सेक्टर को प्रोत्साहन देता है, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और मजबूत स्थान बना सकता है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को केवल नारों से आगे ले जाकर व्यावहारिक नीति समर्थन की आवश्यकता है-सरल कर संरचना, आसान ऋण, अनुसंधान एवं नवाचार में निवेश और व्यापार करने में सुगमता के माध्यम से। इस संदर्भ में मध्यम वर्ग की भूमिका को नजरअंदाज करना आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती होगा। मध्यम वर्ग किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है-वह सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है और सबसे बड़ा करदाता भी। विडंबना यह है कि बजट चर्चाओं में अक्सर यही वर्ग अपेक्षाकृत उपेक्षित रह जाता है। बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च, आवास ऋण और करों का बोझ मध्यम वर्ग की बचत और उपभोग दोनों को प्रभावित करता है। यदि इस बजट में आयकर स्लैब में तर्कसंगत सुधार, शिक्षा-स्वास्थ्य पर कर राहत और आवास को प्रोत्साहन जैसे कदम उठाए जाते हैं, तो इससे न केवल मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी बल्कि मांग-आधारित विकास को भी बल मिलेगा। उद्योगों और व्यापार जगत के लिए बजट से अपेक्षा है कि वह स्थिर और पूर्वानुमेय नीति वातावरण प्रदान करे। निवेशक अनिश्चितता से डरते हैं। कर नीति में बार-बार बदलाव, अनुपालन की जटिलता और नियामक अस्पष्टता निवेश को बाधित करती है। इस बजट में यदि दीर्घकालिक कर-नीति का स्पष्ट संकेत, एमएसएमई सेक्टर के लिए सस्ता ऋण, तकनीकी उन्नयन के लिए प्रोत्साहन और हरित उद्योगों के लिए विशेष पैकेज दिए जाते हैं, तो यह उद्योगों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र, जो रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, उसे आर्थिक पुनरुत्थान का केंद्र बनाया जाना चाहिए। भविष्य के भारत की कल्पना केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं हो सकती। इसमें पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक न्याय और मानवीय विकास समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में हरित ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन और टिकाऊ कृषि को बजट में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि नए उद्योगों और रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश भविष्य की कार्यशक्ति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा, जबकि स्वास्थ्य पर खर्च एक स्वस्थ और उत्पादक समाज की नींव रखेगा। अंततः यह बजट एक संतुलन की परीक्षा है-राजकोषीय अनुशासन और विकासात्मक खर्च के बीच, अल्पकालिक राहत और दीर्घकालिक सुधारों के बीच, तथा विभिन्न वर्गों की अपेक्षाओं के बीच। यदि यह बजट निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने, मध्यम वर्ग को राहत देने, शहरी विकेंद्रीकरण को गति देने और वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदलने की स्पष्ट दिशा देता है, तो यह केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि ह्लविकसित भारतङ्क की ओर बढ़ते कदम का घोषणापत्र बन सकता है। देश को आज ऐसे ही बजट की आवश्यकता है-जो आशा जगाए, विश्वास पैदा करे और भविष्य के प्रति एक सकारात्मक, साहसिक दृष्टि प्रस्तुत करे।

ऐतिहासिक गरिमा के अनुरूप सम्पन्न करायें कालिंजर महोत्सव : डीएम

डीएम ने बैठक में दिये निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी जे. रीभा की अध्यक्षता में आगामी माह फरवरी में 15 से 17 फरवरी को प्रस्तावित कालिन्जर महोत्सव के आयोजन की तैयारियों से सम्बन्धित बैठक कलेक्टेझट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने महोत्सव के आयोजन को भव्य, दिव्य, सुव्यस्थित एवं ऐतिहासिक गरिमा के अनुरूप सम्पन्न कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कालिंजर महोत्सव जनपद की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन एवं लोक कला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का एक माध्यम है। जैसा कि सभी लोगों को अवगत होगा कि इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी, 2026 को लाल किले परेड में कालिंजर किले से सम्बन्धित झांकी का प्रदर्शन उत्तर प्रदेश से किया गया है।

उन्होंने कहा कि सभी आपसी समन्वय से अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबन्धन, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य सेवायें, कलाकारों की व्यवस्था, मंच एवं ध्वनि प्रणाली एवं फूड कोर्ट सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्ययोजना बनाकर समयबद्धढंग से तैयारियां सुनिश्चित की जायें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। उन्होंने यह भी कहा कि महोत्सव के दौरान आने वाले श्रृद्धालुओं एवं पर्यटकों को किसी प्रकार असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुमार धर्मेन्द्र, मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय, परियोजना निदेशक डीआरडीए, उप जिलाधिकारी नरैनी अमित शुक्ला, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी चित्रकूट मण्डल सहित सम्बन्धित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, पुलिस प्रशासन एवं आयोजन से जुडे अधिकारी उपस्थित रहे।

अवध वैश्य समाज की बैठक सम्पन्न

बाँदा। कस्बा अतर्रा अन्तर्गत चूडी गली के मध्य स्थित अवध वैश्य समाज की आज अजीत गुप्ता अवध वैश्य के नेतृत्व मे महत्वपूर्ण बैठक हुयी । जिसमे उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि हम सबको आपसी भ्रान्तियों को भूलकर जैसे अन्य समाज के लोग एक दूसरे के प्रति भाईचारा रखते है उसी प्रकार से हम लोगों को भी सँगठित होकर एक दूसरे के प्रति भाईचारा बनाकर रखना है । वैसे भी समाज मे लोग वैश्यो को उपेक्षित भाव से देखते है । राजनैतिक पार्टियां हम लोगों का मत तो ले लेती है परन्तु सबसे ज्यादा शोषित वैश्य समाज ही होता है।इन सभी कुरीतियों पर नकेल कसने के लिए एकत्रित होकर रहना सबसे महत्वपूर्ण है एक लकडी को तोडा जा सकता है परन्तु गट्ठर को तोडना नामुमकिन है। इस बैठक मे व्यापार मँडल अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता द्वारका प्रसाद गुप्ता सँतोष गुप्ता घनश्याम गुप्ता अनिरुद्ध कुमार बराती लाल रामलखन रामप्रकाश अशोक कुमार कल्लू प्रसाद नवनीत सुरेश कुमार सुशील कुमार प्रमोद कुमार डा.डी.के. गुप्ता राजकिशोर गुप्ता भरतलाल गुप्ता सँतोष कुमार गुप्ता पत्रकार के.के. गुप्ता सहित सैकडो अवध वैश्य समाज के लोगों ने बैठक मे हिस्सा लिया।

अधिवक्ता संघ के दोनों गुटों की बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। अधिवक्ता संघ के दोनों गुटों की आम सभा की बैठक अलग-अलग संपन्न हुई। जिसमें महासचिवों ने वार्षिक आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। एक गुट के निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र गुप्ता तो दूसरे गुटके वीरेंद्र पांडे बने। विगत वर्षों की भांति 31 जनवरी को अधिवक्ता संघ की आम सभा की वार्षिक बैठक संपन्न हुई जिसमें एक गुट की बैठक अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें महासचिव राममिलन कुशवाहा ने अपना 1 वर्ष का आमदनी व खर्च का ब्यौरा रख जिनको अधिवक्ताओं ने समर्थन के साथ पास कर दिया। अध्यक्ष श्री द्विवेदी ने 1 वर्ष में अधिवक्ताओं द्वारा संघ के विकास व संघर्ष में साथ देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया पूर्व अध्यक्ष अमर सिंह राठौड़ ने सभी अधिवक्ताओं से संघ की मजबूती के लिए आगे आकर काम करने की बात कही इसके साथ ही आम सभा की सहमति से एल्डर कमेटी के सदस्यों का चयन किया गया कार्यक्रम का संचालन सूरज वाजपेई ने किया निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र गुप्ता को संविधान की कॉपी देकर चुनाव संपादित करने की बात कही इस दौरान अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष छोटेलाल स्वास्थ्य दिलदार वर्मा अमर बाबू सचदेवा श्याम बाबू गुप्ता राम प्रसाद वर्मा लखन मिश्रा राजेश सिंह अजय शर्मा राजेंद्र गुप्ता जितेंद्र तिवारी संतोष द्विवेदी सुशील गुप्ता धीरेंद्र सिंह विश्वनाथ स्वास्थ्य विनय मिश्रा बृजमोहन सिंह राठौड़ संतोष सिंह आदि मौजूद रहे वहीं दूसरी ओर दूसरे अच्छा की बैठक अध्यक्ष महेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें महासचिव विपिन कुमार मिश्रा ने वार्षिक आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जिसको अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मत से पारित कर दिया सभी ने निर्वाचन अधिकारी वीरेंद्र पांडे को घोषित किया इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश गौतम भागीरथ पांडे राजेंद्र त्रिपाठी लव कुश मिश्रा अतुल दीक्षित आदि मौजूद रहे।

गैंगस्टर रवींद्र नागर उर्फ रवि काना की रिहाई को रिहा करना जेलर को पड़ा भारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। ग्रेटर नोएडा के चर्चित गैंगस्टर एवं शातिर अपराधी रवि काना की रिहाई को लेकर जेलर को निलंबित कर दिया गया है। कार्यवाही के बाद जे ल महकमे में एकबार फिर खलबली मच गई है। नियमावली 1999 के नियम -7 के अधीन विक्रम सिंह यादव को विभागीय जांच के अलावा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। जिला जेल से रवींद्र नागर उर्फ रवि काना की रिहाई पर लगातार सवाल उठ रहे थे। इसको लेकर कारागार प्रशासन पर लगातार दबाव पड़ रहा था। अब इस मामले में कड़ी कार्रवाई की गई है। मामले में बांदा जिला जेल के जेलर विक्रम सिंह को निलंबित कर दिया गया है, जबकि जेल अधीक्षक के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं।प्रकरण सामने आने के बाद

जेलर विक्रम सिंह यादव को किया गया निलंबित

डीजी जेल पीसी मीणा ने पूरे मामले की जांच डीआईजी जेल प्रयागराज को सौंपी थी। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में रिहाई प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं, लापरवाही और नियमों के उल्लंघन के संकेत मिलने के बाद जेलर केपी यादव को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।जेल अधीक्षक द्वारा न्यायालय को भेजे गए पत्र में बताया गया कि आरोपी को प्रशासनिक आधार पर अगस्त 2024 में गौतमबुद्धनगर से बांदा कारागार स्थानांतरित किया गया था। 28 जनवरी 2026 को संबंधित प्रकरण का बी-वारंट कारागार को प्राप्त हुआ था। जिसमें 29 जनवरी को न्यायालय के समक्ष पेश करने का आदेश था। पुलिस गार्ड उपलब्ध न होने के कारण आरोपी को वीसी के माध्यम से पेश किया गया।पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि आरोपी के खिलाफ अन्य सभी मामलों में रिहाई आदेश पहले ही प्राप्त हो चुके थे। वह केवल बी-वारंट के आधार पर ही बंद था। वहीं जेल प्रशासन का कहना है कि वीसी पेशी के बाद न तो अभिरक्षा वारंट प्राप्त हुआ और न ही अग्रिम पेशी तिथि की कोई सूचना मिली। इसी आधार पर 29 जनवरी-2026 यानी बृहस्पतिवार को शाम 6रू39 बजे आरोपी को रिहा कर दिया गया। वर्तमान में आरोपी जिला कारागार बांदा में बंद नहीं है। हालांकि न्यायालय ने इस तर्क को अस्वीकार्य मानते हुए कहा कि जब जेल प्रशासन को पहले से जानकारी थी कि आरोपी बी-वारंट पर तलब है और उसी दिन रिमांड को लेकर सुनवाई भी हुई, तो ऐसे में आरोपी को रिहा करना न्यायिक आदेशों की अवहेलना है।

नेत्र परीक्षण शिविर में ग्रामीणों का उमड़ा हुजूम

बांदा। मासिक नेत्र परीक्षण शिविर और आयुष्मान कार्ड पंजीयन शिविर का आयोजन जसपुरा ब्लाक के गौरी खुर्द (चंदवारा) मे आयोजित कराया गया। शिविर में पूर्व नौसेना अधिकारी राकेश बाजपेई व डाक्टरों की टीम ने संत रणछोड़ दास जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित किया।इस शिविर मे गौरी खुर्द,अमचौली,मंगलपुरवा, गडौला,गलौली,गाजीपुर,रामपुर,तंनगाम ऊ, नरौली,सोनामऊ, चंदवारा और धरीखेडा के लगभग 700 नेत्र रोगियों की जांच की गई।जिनमे से 35 नेत्र रोगियों को जांनकी कुंड स्थित सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट आप्रेशन के लिए भेजा गया और शेष लोगो को चश्मे और दवाईयो की आवश्यकता थी,उन्हे जरूरत के अनुसार वितरण किया गया। तथा साथ ही साथ बुजुर्गों के लिए भी इसी कैंप के माध्यम से आयुष्मान कार्ड पंजीयन शिविर मे दो दर्जन से अधिक आयुष्मान कार्ड भी बनाये गये।

बुंदेलखंड कबड्डी लीग में रोमांच चरम पर, दर्शकों ने देखे कांटे के मुकाबले

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बुंदेलखंड कबड्डी लीग 2026 सीज़न-2 के अंतर्गत खेले गए मुकाबलों में मंगलवार को दर्शकों को एक से बढ़कर एक रोमांचक मैच देखने को मिले। हर मुकाबले में तेज़ रेड, मजबूत टैकल और आख़िरी पलों तक चले संघर्ष ने खेल प्रेमियों को रोमांच से भर दिया।

दिन के मुकाबलों के परिणाम इस प्रकार रहे। जिसमें पन्ना डायमंड्स ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस को 28-25 से पराजित किया। मलखान राइडर्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए छत्रसाल बुंदेला को 31-14 से हराया। महाराजा खेत सिंह ने आल्हा योध्दा को 33-20 से शिकस्त दी। पन्ना डायमंड्स ने एक अन्य मुकाबले में बांदा दबंग के विरुद्ध 32 अंक बनाते हुए मुकाबला अपने नाम किया। मलखान राइडर्स ने करीबी मुकाबले में बुंदेलखंड एक्सप्रेस को 29-27 से पराजित किया। छत्रसाल बुंदेला और महाराजा खेत सिंह के बीच खेला गया मुकाबला 23-23 की बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं ऊदल लायंस ने दमदार प्रदर्शन करते हुए आल्हा योध्दा को 34-22 से हराया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सादिक ज़मा उपस्थित रहे। उनके साथ एएसपी शिव राज, टी.आई. संजय मिश्रा, बाबा फ़रीद, चंद्र मौली भारद्वाज, सैयद अहमद मग़रवी, ईशान सिंह, राजेंद्र अवस्थी, डा. शरीफ़ सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे। साथ ही विभिन्न टीमों के ओनर नितिन, कमलेश, शाहिद एवं क्षितिज ने भी मैदान पर उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि सादिक ज़मा ने कहा कि ञ्बुंदेलखंड कबड्डी लीग ने यह साबित कर दिया है कि हमारे क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। खिलाड़ियों का जोश, अनुशासन और खेल भावना देखकर यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में बुंदेलखंड कबड्डी के राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान बनाएगा। ऐसे आयोजन युवाओं को सही दिशा देने का काम करते हैं।ङ्क मैचों के दौरान स्टेडियम दर्शकों की तालियों और नारों से गूंजता रहा। हर टीम ने खेल भावना के साथ मुकाबला खेला, जिससे लीग का स्तर और भी ऊँचा होता नजर आया। इस पूरे आयोजन में जिला कबड्डी संघ, बाँदा के अध्यक्ष अंकित कुशवाहा, सचिव कमल यादव एवं कोषाध्यक्ष सुनील सक्सेना की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। आयोजन समिति ने बताया कि लीग के माध्यम से बुंदेलखंड के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का सशक्त मंच मिल रहा है। कल के मुकाबले आयोजन समिति ने जानकारी दी कि कल के मुकाबले प्रातः 9.00 बजे से खेले जाएंगे, जिनमें दर्शकों को और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

रालोद की बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। शहर के मर्दननाका स्थित राष्ट्रीय लोकदल जिला कैंप कार्यालय में पार्टी की जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में बैठक संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय लोक दल के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष इमामुद्दीन, जिलामहा सचिव हाफिज अब्दुल लतीफ एवं जिला सचिव राशिद अली जिला प्रवक्ता राजाराम एवं जिला मीडिया प्रभारी राकेश गुप्ता एवं एवं नगर अध्यक्ष जुबैर खान एवं नगर सचिव पंकज कुमार श्रीवास्तव एवं रामकिशोर श्रीवास्तव नगर महा मंत्री एवं नरैनी विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद शकील एवं राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता भी ग्रहण की एवं खलील अहमद, मोहम्मद अफसर एवं ताहिर मोहम्मद उपस्थित रहे।

किसानों ने समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मंडी परिसर के पीएससी धान खरीद केंद्र में पड़े तले पर भड़के किसान यूनियन के कार्यकर्ता उपजिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंप कर किसने की तुलना होने पर आंदोलन की दी चेतावनी। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष महेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में किसान संगठन के पदाधिकारी ने शनिवार को तहसील पहुंचकर अतर्रा मंडी परिसर में स्थित पीएससी धान खरीद केंद्र में ताला जड़ा होने व किसानों की तौल न होने को लेकर आक्रोश जताया उप जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार राजीव यादव को सोपा।ज्ञापन में कहा है कि 20 जनवरी से ताला बंद है केंद्र प्रभारी कह रहा है कि लक्ष्य पूरा हो चुका है किसान परेशान इसी प्रकार बदौसा पीएससी धान खरीद केंद्र भी बंद होने की शिकायत की है किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष श्री त्रिपाठी ने कहा है कि जल्द ही अगर कार्रवाई नहीं होती तो किसानों के हित में आंदोलन किया जाएगा इस दौरान बच्चा सिंह कुलदीप नीरज शुक्ला सुधीर कुमार अरुण पांडे भगवती देवी गंगा देवी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों की संख्या पहुंची 28 हजार के पार

बांदा। योगी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों की संख्या जिले में 28153 पहुंच गई है। इस योजना में 6 श्रेणियों में लाभार्थी बेटियों के परिवार को 25 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है। सरकार का अधिकारियों को निर्देश है कि लाभार्थियों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर उन्हें योजना का लाभ दिलाएं। बांदा में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ लेने के लिए 33815 आवेदन प्राप्त हुए थे। इसके सापेक्ष 28153 बालिकाओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है और पैसा उनके खाते में भेजा जा चुका है। इस योजना से लगातार लाभार्थी बालिकाएं जुड़ रही हैं। योजना के अंतर्गत 6 श्रेणियों में बालिकाओं को 25 हजार रुपये तक की आर्थिक मदद प्रदान की जाती है। बालिका के जन्म पर 5 हजार रुपये और 1 साल के टीकाकरण पर 2 हजार रुपये, कक्षा एक में प्रवेश पर 3 हजार और कक्षा 6 में प्रवेश पर भी 3 हजार रुपये दिए जाते हैं।

हिन्दू सम्मेलन में साँस्कृतिक कार्यक्रमो की रही धूम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाँदा। अतर्रा कस्बे के गौराबाबा धाम मे राष्ट्रीय स्वयं सेवक सँघ के सौ वर्ष पूरे होने पर विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमे झांसी से आये कलाकारों ने बुन्देलखण्डी राई लोकगीतों के साथ लोकनृत्य ने दर्शकों का मन मोहा। वही इसी कडी मे नटखट बचपन विद्मालय के बच्चों की सुन्दर झाँकियाँ प्रस्तुत की व विवेकानंद विद्मालय के बच्चों ने भजन व देशभक्ति के गीतो को सुनाकर लोगो मँत्र मुग्ध कर दिया।

चित्रकूट धाम से पधारे विशिष्ट वक्ता डाक्टर विपिन महाराज जी ने हिन्दुओं से अपील की एकता बनाकर रखे वरना बाँग्ला देश बनने मे भारत को समय नही लगेगा। डॉक्टर भारती द्विवेदी आयुर्वैदिक कालेज चिकित्सा ने महिला सशक्तिकरण पर समाज को सँदेशा दिया कि महिलाओं का सम्मान जिस राष्ट्र मे नही होता उस देश का पतन निश्चित है ।कवि शाश्वत त्रिपाठी, ने देशभक्ति पर कविता के माध्यम से लोगों के अँदर उर्ज़ा का सँचार कर दिया। श्याम शिवहरे नगर व्यापारी व राजेश राणा कैसियर भारतीय जीवन बीमा निगम मँचासीन रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या: NER-BSB0SnT-OT-05-2026

मण्डल रेल प्रबन्धक / सिग एवं दूरसंचार पूर्वोत्तर रेलवे / वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली-ई" निविदा आमंत्रित की जाती है। क्रमांक:- 1. निविदा सूचना सं एवं कार्य का नाम:- NER-BSB0SnT-OT-05-2026: कार्य का नाम: [illegible] वार्षिक अनुरक्षण कार्य। विवरण:- अनुमानित लागत:- रु. 854481.06, बयाना की राशि:- रु. 17080.00/-, निविदा प्रपत्र की कीमत:- ₹0.00/-, कार्य पूर्ण करने की अवधि:- 36 माह, निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय:- 23.02.2026 को 15:00 बजे, 1. ई-निविदा दिनांक 23.02.2026 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा किया जा सकेगा। 2. पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. www.ireps.gov.in देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार मुयाधि/सिगनल-95 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

हसनगंज के भिखारी खेड़ा में 3 फरवरी को नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन आई कैंप

नवयुग जन चेतना सेवा संस्थान का पन्द्रहवां कैंप, विधायक ब्रजेश कुमार रावत करेंगे उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हसनगंज। सामाजिक संस्था नवयुग जन चेतना सेवा संस्थान द्वारा पन्द्रहवां निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन आई कैंप का आयोजन विकास खंड हसनगंज के ग्राम भिखारी खेड़ा में निर्मित डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर खेलकूद मैदान में आगामी 3 फरवरी को किया जाएगा। कार्यक्रम ग्राम प्रधान तारावती पाल की अध्यक्षता में आयोजित होगा, जबकि उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक ब्रजेश कुमार रावत करेंगे। यह जानकारी देते हुए ग्राम प्रधान पुत्र व संस्था के संस्थापक अध्यक्ष पुत्तन लाल पाल ने बताया कि 3 फरवरी को आयोजित कैंप में जिन मरीजों में मोतियाबिंद की समस्या पाई जाएगी, उनकी बीपी, शुगर, नेत्र ज्योति आदि की जांच कैंप स्थल पर ही की जाएगी। जांच के उपरांत पात्र मरीजों को उसी दिन संस्था के वाहनों से कानपुर के बर्रा स्थित नारी समर्था साईं आई हॉस्पिटल में भर्ती कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में फ़ेको विधि से लेंस सहित ऑपरेशन कराया जाएगा। मरीजों को भोजन, बिस्तर, दवा एवं चश्मा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। ऑपरेशन के अगले दिन सभी मरीजों को संस्था के वाहनों से पुनः कैंप स्थल पर वापस लाया जाएगा। संस्थापक अध्यक्ष ने बताया कि पंजीकरण के लिए मरीज अपना मोबाइल नंबर, आधार कार्ड की छायाप्रति तथा यदि आयुष्मान कार्ड बना हो तो उसकी प्रति अपने साथ अवश्य लाएं।

जिला उद्योग विभाग द्वारा अब तक 5000 कारीगरों को किया जा चुका है प्रशिक्षित

बांदा। योगी सरकार की विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के पारंपरिक कारीगरों के हुनर को पहचान मिल रही है और कारीगर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। बांदा में इस योजना से अब तक लगभग 5000 कारीगर जुड़ चुके हैं। जिला उद्योग विभाग की तरफ से कारीगरों को प्रशिक्षित कर उनके हुनर को निखारने का काम किया जा रहा है। यह पारंपरिक कारीगरों को उचित प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ने के लिए शुरू की गई थी। जिससे जुड़कर पारंपरिक कारीगरों की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है और लगातार लोग इस योजना से जुड़ रहे हैं।विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से बढ़ई, दर्जी, टोकरी बुनने वाले, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, मोची, राजमिस्त्री आदि हजारों लोग जुड़ चुके हैं। ये कारीगर अपने-अपने क्षेत्र में कार्य कर आर्थिक रूप से मजबूत भी हुए हैं और आत्मनिर्भर बने हैं।

चार पहिया वाहन चलाते समय करें सीटबेल्ट का प्रयोग: सौरभ कुमार, आरटीओ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सड़क दुर्घटनाओ पर कमी लगाये जाने के उद्देश्य से मुख्य सचिव, उप्र शासन के निर्देशानुसार आयोजित किये जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत आज राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तिम दिवस पर प्राइवेट बस स्टैण्ड, बाबूलाल चौराहा बाँदा में सड़क सुरक्षा माह का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में सौरभ कुमार, सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा उपस्थित व्यक्तियों व एनसीसी / स्काउट गाइड के कैडेटों को सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराते हुए दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट का प्रयोग करने की अपील की। श्री उदयवीर सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने का संकल्प दोहराते हुए उपस्थित समस्त लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलायी गयी।परिवहन विभाग द्वारा चलाये गये राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु लगातार प्रत्येक दिवस जनजागरूकता के कार्यक्रम आयोजित कर आमजनमानस को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन किये जाने हेतु प्रेरित किया गया। सड़क सुरक्षा को ग्रामीण स्तर तक पहुँचाने हेतु समस्त ग्राम प्रधानों को नोडल सड़क सुरक्षा के रूप में सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे अपने ग्रामपंचायतों में सड़क सुरक्षा का प्रचार-प्रसार कर ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक कर सकें। परिवहन विभाग द्वारा पूरे माह में जनजागरूकला के कार्यक्रम के साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए 1518 चालान बिना हेलमेट, 248 बिना सीटबेल्ट, 148 वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करने, 143 रांग साइड, 22 ड्रकन ड्राइविंग, 97 नो पार्किंग, 87 ओवरस्पीड के अभियोग में चालान की कार्यवाही की गयी तथा ओवरलोड माल का परिवहन करने वाले 119 मालवाहनों का चालान कर जनपद के विभिन्न थानों में निरूद्ध किया गया। इस अवसर पर श्याम लाल, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, वीरेन्द्र नाथ राजभर, यात्री मालकर अधिकारी, यातायात निरीक्षक संजय मिश्रा, डा. पीयूष मिश्रा, मण्डलीय मास्टर ट्रेनर सडक सुरक्षा, बस यूनियन के पदाधिकारीगण, एनसीसी, स्कउट गाइड कैडेट एवं आमजनमानस को लोग उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि 20.02.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जायेंगे यदि कोई मैन्युअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

निविदा सूचना सं.	00132026 दिनांक 29.01.2026		
निविदा सं.	19-Sr.DEN-II-LKO-2025-26		
कार्य का नाम	[illegible] स्टेशन के लाइन नंबर 4 पर दोनों तरफ [illegible] का कार्य प्रस्तावित है।		
अनुमानित लागत	₹1,64,53,488.12	धरोहर राशि	₹2,32,300/-
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह		
निविदा डालने का प्रारंभ	06.02.2026	वेबसाईट	www.ireps.gov.in
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	20.02.2026 को 15:00 बजे		

नोट: निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। 317/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि 23.02.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जायेंगे यदि कोई मैन्युअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

निविदा सूचना सं.	00162026 दिनांक 30.01.2026
निविदा सं.	20-Sr.DEN-II-LKO/2025-26
कार्य का नाम	Sr. ADEN-PBH के अंतर्गत JNH-ZBD खंड में KJTW, SPPR, WRGN, VNN, KTWR, JUA Halt स्टेशन पर [illegible]
अनुमानित लागत	₹89,99,684.28
धरोहर राशि	₹1,80,000/-
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 10 माह
निविदा डालने का प्रारंभ	09.02.2026
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	23.02.2026 को 15:00 बजे
वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोट: निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। 352/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सड़क पर सुरक्षा का संदेश, मंच से सम्मान की गूंज

- सड़क सुरक्षा माह का भव्य समापन, डीएम ने राहवीर, जागरूकता के संदेशवाहकों को किया सम्मानित
- सड़क सुरक्षा नियम नहीं, जीवन बचाने की जिम्मेदारी : डीएम
- हेलमेट और प्रमाण पत्र ने छात्रों की जागरूकता को दी उड़ान, डीएम ने दिलाया सड़क सुरक्षा का संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। शासन के निर्देश पर जिले में जनवरी माह के दौरान संचालित सड़क सुरक्षा माह का समापन शुक्रवार को अटल सभागार में भव्य सम्मान समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने राहवीर योजना के लाभार्थियों तथा विभिन्न सड़क जागरूकता प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। समारोह में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एएसपी पवन गौतम की मौजूदगी में राहवीर योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले सुनील कुमार व अभिषेक को प्रमाण पत्र एवं धनराशि स्वीकृति पत्र प्रदान किए। इसके साथ ही माध्यमिक व उच्च शिक्षा स्तर पर आयोजित भाषण, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला तथा सड़क सुरक्षा जागरूकता रील प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र, मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। वही 12 सड़क सुरक्षा मित्र को हेलमेट और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। राहवीर योजना उन लोगों को सम्मान देने की पहल है, जो संकट की घड़ी में बिना किसी स्वार्थ के आगे बढ़कर घायल की जान बचाते हैं और मानवता की मिसाल पेश करते हैं। डीएम ने कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी एक छोटी गलती नहीं, बल्कि किसी की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। उन्होंने आमजन से हेलमेट, सीट बेल्ट और निर्धारित गति सीमा का अनिवार्य रूप से पालन करने के साथ-साथ दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर डीएम ने सभागार में मौजूद सभी लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई और इसे जनआंदोलन का रूप देने पर जोर दिया। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि यदि हर नागरिक यातायात नियमों को अपनी आदत बना ले, तो सड़क हादसों में स्वतः कमी आएगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनकर समाज को भी सुरक्षित बनाने में भागीदार बनें। कार्यक्रम का सफल संयोजन एआरटीओ शांति भूषण पांडे और अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी निर्माण खंड 3 अनिल कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम में डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र, एआरटीओ शांति भूषण पांडे, पीटीओ डॉ कौशलेंद्र, अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी तरुणेन्द्र त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ग्राम रायपुर में 15 दिवसीय राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोला के प्रभारी चिकित्सक डॉ. गणेश की अगुवाई एवं दिशा-निर्देश में तहसील क्षेत्र के ग्राम रायपुर में 15 दिवसीय राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान शहनाज अंसारी के पति मोहम्मद सलीयहम अंसारी ने की। इस अवसर पर उपस्थित एएनएम रोशनी वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप यह कार्यक्रम 30 जनवरी से 13 फरवरी तक संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर लोगों को कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक करेंगी तथा आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ‟जल्द इलाज, विकलांगता से बचाव” के उद्देश्य के साथ स्वास्थ्य टीमें गांव-गांव जाकर कार्य करेंगी, ताकि कुष्ठ रोग की समय रहते पहचान हो सके और रोगियों को पूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित स्वास्थ्य विभाग का अन्य स्टाफ भी उपस्थित रहा।

कैमहरा गांव में श्रीराम कथा का भव्य आयोजन विधायक अमन गिरी हुए भाव-विभोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। क्षेत्र के कैमहरा गांव में आयोजक अवनीश बाजपेई के नेतृत्व में चल रही श्रीराम कथा में क्षेत्रीय विधायक अमन गिरी ने पहुंचकर भगवान श्रीराम को श्रद्धापूर्वक प्रणाम किया तथा कथा व्यास आचार्य शिव प्रकाश मिश्रा से आशीर्वाद प्राप्त किया। विधायक ने कथा स्थल पर उपस्थित होकर श्रीराम कथा का रसपान किया और श्रद्धालुओं के साथ

आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया।

शाम की कथा में भगवान श्रीराम के जयमाल उत्सव का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया गया, जिसे सुनकर श्रोता भाव-विभोर हो उठे। वहीं दोपहर के सत्र में कथा व्यास द्वारा पंडित सुदामा के जीवन वृतांत का अत्यंत मार्मिक प्रसंग प्रस्तुत किया गया। कथा व्यास आचार्य शिव प्रकाश मिश्रा ने बताया कि सुखदेव जी महाराज ने राजा परीक्षित को पंडित सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की परम मित्रता की कथा सुनाई थी। सुदामा जी भगवान के परम भक्त थे और अनेक कष्टों को सहते हुए भी ब्रह्म का चिंतन अपने गृहस्थ जीवन में करते रहे। कथा के अनुसार, जब एक बार सुदामा जी की धर्मपत्नी सुशीला जी ने अपनी दयनीय स्थिति का कारण पूछा, तब सुदामा जी ने अपने गुरुकुल जीवन की घटना सुनाई।उन्होंने बताया कि गुरु संदीपन के आश्रम में अध्ययन के दौरान वे और भगवान श्रीकृष्ण साथ-साथ विद्या अर्जन करते थे। एक दिन गुरु माता के आदेश पर दोनों लकड़ियां लाने जंगल गए, जहां उन्हें दिए गए चनों को सुदामा जी ने स्वयं खा लिया। सुदामा जी ने इसे अपने जीवन के कष्टों का कारण बताया। आगे कथा में वर्णन किया गया कि धर्मपत्नी के आग्रह पर सुदामा जी भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन हेतु द्वारका पहुंचे और प्रेमपूर्वक भेंट स्वरूप चावल ले गए। भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा जी का अत्यंत सम्मान किया, उनके चरण पकड़कर अश्रु बहाए और उन्हें धन-ऐश्वर्य से परिपूर्ण कर दिया।

कथा व्यास ने यह भी बताया कि सुखदेव जी महाराज की कथा के प्रभाव से राजा परीक्षित के लिए दिव्य विमान आया और वे भगवान के परमधाम को प्रस्थान कर गए।

हरिद्वारी वैश्य समाज ने बेटी के विवाह हेतु दिया आर्थिक सहयोग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्री हरिद्वारी वैश्य समिति गोला द्वारा समाजसेवा की भावना के तहत एक जरूरतमंद परिवार की बेटी के विवाह हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने बेटी के आवास पर पहुंचकर उसकी माता से भेंट कर ?11,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की तथा बेटी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता, संरक्षक एवं समाजसेवी श्री राम गुप्ता, उपाध्यक्ष राम कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष सोहनलाल गुप्ता एवं महामंत्री अविनाश चन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने परिवार को ढांढस बंधाया और बेटी के सुखमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। समिति द्वारा किए गए इस सामाजिक सहयोग की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

विशेष अभियान में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल का औचक निरीक्षण

- मतदान स्थलो का लिया जायजा, बीएलओ से जानी प्रगति, दिए निर्देश
- 02 फरवरी भी विशेष अभियान तिथि, बूथों पर मिलेंगे बीएलओ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। मतदाता सूची को दुरुस्त करने की मुहिम ने शनिवार को जिले भर में रफ्तार पकड़ ली। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत सभी मतदेय स्थलों पर आयोजित ‟विशेष अभियान दिवस” में मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने स्वयं मैदान में उतरकर बूथों का औचक निरीक्षण किया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने डिप्टी डीईओ नरेंद्र बहादुर सिंह और ईआरओ/एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह के साथ क्रमशः मतदान स्थल स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज (भाग संख्या 300-305) और धर्म सभा इंटर कॉलेज (भाग संख्या 236-249) का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम सीधे बीएलओ के हेल्प डेस्क पर पहुंचीं, जहां उन्होंने प्राप्त फॉर्म-6 व फॉर्म-8, संलग्न दस्तावेज और निस्तारण की स्थिति को स्वयं देखा।

डीएम ने बीएलओ से दो टूक कहा कि 18 वर्ष पूर्ण कर चुके एक भी पात्र युवा का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि हर आवेदन की मौके पर जांच कर सही मार्गदर्शन दिया जाए, ताकि किसी भी नागरिक को बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। डीएम ने अभियान की प्रगति पूछते हुए बीएलओ को सक्रिय संपर्क, डोर-टू-डोर जागरूकता और समयबद्ध निस्तारण पर खास जोर दिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने आमजन से भी संवाद किया और उन्हें आयोग द्वारा निर्धारित विशेष अभियान तिथियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, वे घोषणा पत्र के साथ फॉर्म-6 भरकर बीएलओ को दें या ‟voters.eci.gov.in” पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें, जबकि त्रुटि सुधार के लिए फॉर्म-8 भरा जा सकता है। सहायता के लिए मतदाता हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क करने की अपील की।

डिप्टी डीईओ/एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि 02 फरवरी को भी विशेष अभियान दिवस आयोजित होगा, जिसमें सभी मतदेय स्थलों पर पूर्वाह्न 11 बजे से सायं 4 बजे तक बीएलओ मौजूद रहेंगे।

फरवरी-मार्च में बंद रह सकता है घाघराघाट का संजय सेतु

- मरम्मत कार्य के चलते आवागमन रोकने की तैयारी
- लखनऊ से टूटेगा सीधा संपर्क, रोजाना 50 हजार से अधिक यात्री होंगे प्रभावित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। नेपाल सीमा से जुड़े लखनऊ-गोंडा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित घाघराघाट का संजय सेतु एक बार फिर सुर्खियों में है। बीते दो वर्षों से लगातार तकनीकी खामियों और बार-बार मरम्मत के कारण लोगों के लिए परेशानी का कारण बने इस पुल पर अब बड़े स्तर पर रिपेयर कार्य की तैयारी की जा रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) से जुड़े सूत्रों के अनुसार फरवरी के दूसरे सप्ताह से मार्च तक लगभग दो महीने तक संजय सेतु पर मरम्मत कार्य प्रस्तावित है। इस दौरान छोटे-बड़े सभी वाहनों का आवागमन अस्थायी रूप से पूरी तरह बंद किया जा सकता है।

लखनऊ से कई जिलों का सीधा संपर्क टूटेगा

यदि पुल बंद होता है तो राजधानी लखनऊ से बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती समेत कई जिलों का सीधा सड़क संपर्क टूट जाएगा। अनुमान है कि प्रतिदिन 50 हजार से अधिक यात्री इससे प्रभावित होंगे। इनमें नौकरीपेशा लोग, व्यापारी, छात्र, मरीज और न्यायालय जाने वाले वकील बड़ी संख्या में शामिल हैं।

वैकल्पिक मार्ग से बढ़ेगी दूरी और खर्च

संजय सेतु बंद होने की स्थिति में यात्रियों को जरवल रोड से लगभग 60 किलो मीटर दूर चहलारी घाट हाईवे या फिर अयोध्या होते हुए लखनऊ की यात्रा करनी पड़ेगी। इससे यात्रा समय लगभग दोगुना हो जाएगा, वहीं ईंधन खर्च और किराया भी बढ़ेगा। एंबुलेंस, मालवाहक वाहन और सार्वजनिक परिवहन पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

रेल मार्ग भी बन सकता है परेशानी की वजह- स्थिति को और गंभीर बनाता है यह तथ्य कि फरवरी-मार्च के दौरान गोंडा-बुढ़वल रेल खंड पर तीसरी लाइन बिछाने का कार्य प्रस्तावित है। इसके चलते कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा और अनेक ट्रेनों को अयोध्या-बाराबंकी मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। ऐसे में लखनऊ आने-जाने वाले यात्रियों को सड़क और रेल—दोनों मोर्चों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

शादी-विवाह के मौसम में बढ़ी चिंता

इसी अवधि में शादी-विवाह का मौसम भी चरम पर रहेगा। घाघरा नदी के दोनों किनारों पर बसे गांवों में अनेक वैवाहिक कार्यक्रम पहले से तय हैं। पुल बंद होने की स्थिति में बारात, मेहमानों और जरूरी सामान की आवाजाही बड़ी चुनौती बन सकती है। सामाजिक संगठनों ने ग्रामीण क्षेत्रों में अव्यवस्था की आशंका जताई है।

अस्थायी पीपी पुल और ट्रेन संचालन की मांग

बुद्धिजीवी वर्ग व सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि यदि मरम्मत के दौरान संजय सेतु पर आवागमन रोकना अनिवार्य है, तो पूर्व की तरह अस्थायी पीपी पुल का निर्माण कर यातायात बहाल किया जाए। साथ ही गोंडा से लखनऊ तक मेमो या पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग भी उठ रही है, जिससे मरीजों, व्यापारियों, छात्रों और अधिवक्ताओं को राहत मिल सके। डीएम से अनुमति के बाद होगा निर्णय मरम्मत कार्य को लेकर एनएचआई के इंजीनियरों की टीम द्वारा सर्वे लगभग पूरा कर लिया गया है। एनएचआई की ओर से बहराइच और बाराबंकी के जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर कुछ दिनों के लिए आवागमन रोकने की अनुमति मांगी गई है। अनुमति मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस संबंध में एनएचआई के सहायक अभियंता अनंत मौर्य ने बताया,घाघराघाट संजय सेतु पर रिपेयर कार्य के लिए सर्वे लगभग पूरा हो चुका है। फरवरी के दूसरे सप्ताह से काम शुरू होने की संभावना है। जिलाधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद पुल पर आवागमन अस्थायी रूप से रोका जाएगा। कुल मिलाकर संजय सेतु का बंद होना क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। अब सबकी निगाहें प्रशासन और सरकार पर टिकी हैं कि समय रहते ठोस वैकल्पिक व्यवस्था कर आमजन को राहत दी जाती है या नहीं।

सम्पूर्णानगर पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ दो अभियुक्त किए गिरफ्तार

- 30 लीटर कच्ची शराब व मोटरसाइकिल बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद में अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सम्पूर्णानगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने करीब 30 लीटर अवैध कच्ची शराब तथा एक मोटरसाइकिल के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी पलिया के कुशल मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष सम्पूर्णानगर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। दिनांक 31 जनवरी 2026 को थाना सम्पूर्णानगर पुलिस ने एक प्लास्टिक की बोरी में 500 एमएल के कुल 60 पाउचों में भरी करीब 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। साथ ही शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल टीवीएस राइडर (संख्या ठघ्31 एङ 2571) भी जब्त की गई।

इस दौरान पुलिस ने ग्राम पढ़ुआ थाना सम्पूर्णानगर निवासी ध्रुव कुमार पुत्र बालकराम तथा जितेन्द्र कुमार पुत्र रामकुमार चौहान को मौके से गिरफ्तार किया। बरामदगी के आधार पर थाना सम्पूर्णानगर में मु0अ0सं0 11/2026 धारा 60/72 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि जनपद में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन व बिक्री के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पति ने की पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली क्षेत्र की कांशीराम कॉलोनी में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां घरेलू विवाद के चलते एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। वारदात के समय दंपति की 14 वर्षीय बेटी घर में मौजूद थी। घटना से पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान खुशबू श्रीवास्तव के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पति अंशुल श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। घरेलू विवाद बना हत्या की वजह घटना शनिवार दोपहर की बताई जा रही है। कांशीराम कॉलोनी निवासी अंशुल श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) में संविदा चालक के रूप में कार्यरत हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसको लेकर घर में तनाव की स्थिति बनी रहती थी।

मृतका की बेटी महक द्वारा दिए गए बयान के अनुसार, माता-पिता के बीच अक्सर कहासुनी होती थी। घटना वाले दिन भी विवाद बढ़ गया, जिसके बाद आरोपी ने यह खौफनाक कदम उठा लिया। मौके से हथियार बरामद, जांच जारी सूचना मिलते ही सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।एसपी लखीमपुर खीरी संजय राय ने बताया,

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या का मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। बच्ची का बयान दर्ज किया गया है, जो जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य है। 14 साल पुराना प्रेम विवाह, परिवार में पसरा मातम जानकारी के अनुसार, अंशुल और खुशबू का करीब 14 वर्ष पूर्व प्रेम विवाह हुआ था। दंपति के दो बच्चे हैं-एक बेटी और एक बेटा। घटना के समय बेटा घर पर मौजूद नहीं था।

घटना के बाद कॉलोनी में सन्नाटा पसरा हुआ है। पड़ोसी और स्थानीय लोग स्तब्ध हैं और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना जता रहे हैं।

अधिवर्षता की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत हुए कई पुलिस कर्मियों को एसपी ने दी विदाई

बांदा। अधिवर्षता की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले एक निरीक्षक, एक उपनिरीक्षक व एक मुख्य आरक्षी चालक को पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल द्वारा पुलिस ऑफिस में उनके दीर्घकालिक सेवा योगदान की सराहना करते हुए उन्हें स्वस्थ, सम्मानजनक एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं दी गईं, साथ ही उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया । गौरतलब हो कि जनपद के 1 निरीक्षक, 1 उपनिरीक्षक व 1 मुख्य आरक्षी चालक अधिवर्षता की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए इनमें संजय कुमार उपाध्याय मीडिया सेल प्रभारी/आरटीसी प्रभारी, उप निरीक्षक कृष्ण राज सिंह पुलिस लाइन, मुख्य आरक्षी चालक प्रमोद कुमार तिवारी परिवहन शाखा शामिल हैं । सम्मान समारोह के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज, क्षेत्राधिकारी कार्यालय अखिलेश राजन, प्रतिसार निरीक्षक बांदा बेलास यादव सहित सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवारीजन आदि उपस्थित रहे ।

सीडीओ के औचक निरीक्षण से बीडीओ कार्यालय में हड़कंप, अनुपस्थित कर्मचारियों का वेतन रोका

- पीएम-सीएम आवास योजना के मास्टर रजिस्टर अद्यतन न मिलने पर नाराजगी
- मनरेगा कार्यों की जियो-टैग फोटो न होने पर एपीओ को फटकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। खंड विकास कार्यालय लखीमपुर में शुक्रवार को सीडीओ अभिषेक कुमार के औचक निरीक्षण ने हड़कंप मचा दिया। 29 अधिकारियों व कर्मचारियों की जांच में 6 लोग अनुपस्थित पाए गए, जिससे संबंधित कर्मचारियों का वेतन और मानदेय तुरंत रोकते हुए स्पष्टीकरण तलब किया गया।सीडीओ ने कार्यालय में लापरवाही और अभिलेखों की अनियमितता पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान पीएम एवं सीएम आवास योजना के मास्टर रजिस्टर अद्यतन न पाए जाने और वित्तीय वर्षवार आवंटन की जानकारी उपलब्ध न होने पर सीडीओ ने गहरी नाराजगी जताई। मनरेगा कार्यों की समीक्षा में ग्राम पंचायतों में कराए जा रहे कार्यों की फोटोग्राफ उपलब्ध न होने पर एपीओ को कड़ी फटकार लगाई गई। सभी मनरेगा कार्यों की जियो-टैग फोटो व्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, स्थापना और लेखा अनुभाग में सर्विस बुक, अवकाश प्रविष्टि, जीपीएफ, बिल भुगतान और ग्रांट रजिस्टर की समीक्षा कर सभी अभिलेख अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। समूह सखियों द्वारा लोकोस ऐप पर प्रोफाइल और समूह फीडिंग की जानकारी प्राप्त करने के बाद, अधिकारियों को सक्रियता बढ़ाने के भी निर्देश मिले। सीडीओ ने एडीओ पंचायत को कहा कि सभी पंचायत सहायकों को क्रॉप सर्वे कार्य में सक्रिय रूप से लगाएं और शेष कार्य शीघ्र पूरा कराएं। बीडीओ को भी निर्देश दिए गए कि अधिकारी व कर्मचारी समय से कार्यालय में उपस्थित रहें, परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करें और दीवारों में व्याप्त सीलन को दूर कराएं।

अंडर-19 विश्व कप: पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल की हार का बदला लेने उतरेगा भारत

एजेंसी

बुलावायो। पांच बार का चैंपियन भारत रविवार को यहां आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एशिया कप फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। भारत पिछले साल 21 दिसंबर को दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से हार गया था जबकि 14 दिसंबर को उसने इसी टूर्नामेंट का ग्रुप मैच इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 90 रन से जीता था।

रविवार को आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम उस हार का बदला लेने के लिए बेताब होगी। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत पाकिस्तान के साथ अपनी 'हाथ नहीं मिलाने की नीति' भी जारी रख सकता है। भारतीय अंडर-19 टीम ने अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के साथ मैच के बाद हाथ मिलाने से परहेज किया। उस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण मैच के दौरान भी भारत ने ऐसा ही किया था। अंडर-19 विश्व कप में अब तक भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने अमेरिका पर छह विकेट की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की और फिर ग्रुप चरण में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को हराया। भारत ने अपने पहले सुपर सिक्स मैच में 27 जनवरी को मेजबान जिम्बाब्वे को 204 रन से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा। पाकिस्तान के रूप में भारत का अगला मैच एक मजबूत विरोधी के खिलाफ होगा और एशिया कप फाइनल में बड़ी हार म्हात्रे की अगुआई वाली टीम को परेशान कर सकती है। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू (चार मैच में 183 रन) और वैभव सूर्यवंशी (चार मैच में 166 रन) लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दोनों ने दो-दो अर्धशतक लगाए हैं लेकिन वे इन्हें तीन अंकों में बदलना चाहेंगे। विहान मल्होत्रा ??(चार मैच में 151 रन) से भी भारत को उम्मीदें हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पिछले मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 109 रन बनाए थे और वह अपनी अच्छी फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे। गेंदबाजी में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल (चार मैच में 10 विकेट) और जिम्बाब्वे के खिलाफ पिछले मैच में तीन विकेट चटकाने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उद्धव मोहन ने भारत के लिए प्रभावी प्रदर्शन किया है। कप्तान म्हात्रे ने भी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी ऑफ ब्रेक गेंदबाजी से तीन विकेट लिए जबकि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आरएस अमरीश भी विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल रहे। दूसरी ओर पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला ग्रुप मैच गंवा दिया था लेकिन स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले दो मैच जीत लिए। पाकिस्तान ने 27 जनवरी को अपने सुपर सिक्स मैच में न्यूजीलैंड पर आठ विकेट से बड़ी जीत हासिल की और भारत के खिलाफ मैच से पूर्व आत्मविश्वास हासिल किया। अंडर-19 एशिया कप फाइनल में शानदार 172 रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज समीर मिन्हास इस टूर्नामेंट में भी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने ग्रुप मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 74 रन बनाए और सुपर सिक्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के दौरान 76 रन की पारी खेली।

डब्ल्यूपीएल: एलिमिनेटर में जगह पक्की करने के लिए वारियर्स के खिलाफ जीत की तलाश में कैपिटल्स

एजेंसी

वडोदरा। कुछ शीर्ष बल्लेबाजों की खराब फॉर्म की समस्या से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम रविवार को यहां वुमेंस प्रीमियर लीग मैच के आखिरी लीग मैच में यूपी वारियर्स के खिलाफ जीत की तलाश में होगी।

दिल्ली की जीत उन्हें सीधे गुजरात जाइंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर में जगह दिला देगी। टीम ऐसी स्थिति में आठ अंक के साथ लीग में तीसरे स्थान पर रहेगी और गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर निचले पायदान पर मौजूद यूपी वारियर्स की जीत मुंबई की टीम के लिए रास्ता खोल सकती है। उस स्थिति में तीन टीम ऽ मुंबई, दिल्ली कैपिटल्स और वारियर्स तीनों के समान छह अंक रहेंगे और नेट रन रेट (एनआरआर) तय करेगा कि फाइनल में जगह बनाने के लिए एलिमिनेटर में गुजरात जाइंट्स का सामना कौन सी टीम करेगी। इन तीन टीम में से माइनस 1.146 के साथ वारियर्स का नेट रन रेट सबसे खराब है। दिल्ली का माइनस 0.164 जबकि मुंबई का प्लस 0.059 है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम आठ मैच में छह जीत के साथ पांच टीम की तालिका में शीर्ष पर रहते हुए पहले ही सीधे फाइनल में जगह बना चुकी है। दिल्ली की शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों ने मौजूदा सत्र में अधिक रन नहीं बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली सात मैच में 230 रन के साथ टीम की सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनकी हमवतन स्टार लॉरा वोल्वार्ट ने सात मैच में 194 रन बनाए हैं जो उम्मीद से कम है। शेफाली वर्मा सात मैच में 179 रन ही बना पाई हैं। दिल्ली को इस अहम मैच में इस भारतीय सलामी बल्लेबाज से बड़े योगदान की उम्मीद होगी।

मुझे मैदान के बाहर के अपने व्यवहार के बारे में और सीखने की जरूरत: ब्रूक

एजेंसी

पल्लेकल (श्रीलंका)। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उन्हें अपने मैदान के बाहर के व्यवहार के बारे में 'अभी और सीखना है' क्योंकि उन्होंने पिछले अक्टूबर में वेलिंगटन में एक नाइट क्लब में अपने साथ हुए झगड़े की सच्चाई को अपनी टीम के साथियों को बचाने के लिए छिपाया था। इससे पहले उन्होंने कहा था कि जिस रात उन्हें बाउंसर ने मुक्का मारा उस रात वह अकेले थे। असल में जब यह घटना हुई तब ब्रूक जैकब बेथेल और जोश टंग के साथ रात्र में घूमने निकले थे लेकिन कप्तान ने अपनी टीम के साथियों को बचाने के लिए सारा दोष अपने ऊपर ले लिया। शुक्रवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड की जीत के बाद जारी एक बयान में ब्रूक ने दौरे की शुरुआत में सार्वजनिक रूप से मांगी गई अपनी माफी को दोहराया। ब्रूक ने कहा, ''मैं वेलिंगटन में अपनी हरकतों की जिम्मेदारी लेता हूं और मानता हूं कि उस शाम वहां दूसरे लोग भी मौजूद थे।'' उन्होंने कहा, ''मुझे अपनी पिछली प्रतिक्रिया पर अफसोस है और मेरा इरादा टीम के अपने साथियों को ऐसी स्थिति से बचाना था जो मेरे फैसलों की वजह से पैदा हुई थी।'' ब्रूक ने कहा, ''मैं मानता हूं कि नेतृत्व के साथ आने वाली मैदान के बाहर की जिम्मेदारियों के बारे में मुझे और सीखना है। मैं इस क्षेत्र विकास करने के लिए तथा निजी और पेशेवर तौर पर बेहतर होने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान पैट कमिंस बाहर, 15 सदस्यीय स्क्वॉड घोषित

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। टीम की कप्तानी मिचेल मार्श ही करेंगे, जबकि तेज गेंदबाज और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कमिंस की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस को अंतिम टीम में शामिल किया गया है। चयन समिति के सदस्य टोनी डोडेमाइड ने कहा, पैट को अपनी पीठ की चोट से उबरने के लिए अभी और समय चाहिए। ऐसे में बेन एक तैयार विकल्प हैं, जो बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी के साथ-साथ शानदार फील्डिंग और निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी करते हैं। उन्होंने कहा, उनकी स्विंग कराने की क्षमता, अच्छी रफ्तार और चतुर वैरिएशंस भारत और श्रीलंका की परिस्थितियों में टीम के लिए काफी कारगर साबित होंगी। टीम में एक और चौंकाने वाला फैसला पूर्व टेस्ट ओपनर मैथ्यू रेनशॉ को शामिल करने का रहा। रेनशॉ ने इसी सप्ताह पाकिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था और उन्हें मैट शॉर्ट के स्थान पर टीम में जगह मिली है। वहीं, सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग में इस सीजन के अंत में 41 गेंदों में शतक जड़ने वाले स्टीव स्मिथ को टीम में शामिल नहीं किया गया। डोडेमाइड ने रेनशॉ के चयन को लेकर कहा, मैट ने हाल के दिनों में सभी प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया, क्वींसलैंड बुल्स और ब्रिस्बेन हीट के लिए उन्होंने सफ़ेद गेंद के क्रिकेट में कई भूमिकाओं में खुद को साबित किया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि श्रीलंका में शुरुआती मुकाबलों में स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए टीम का शीर्ष क्रम तय है और रेनशॉ मध्यक्रम को अतिरिक्त मजबूती देंगे। साथ ही, बाएं हाथ के बल्लेबाज के तौर पर वह बल्लेबाजी क्रम में विविधता भी प्रदान करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई ओपन फाइनल में इतिहास रचने उतरेंगे जोकोविच और अल्कारेज

मेलबर्न। थकान और खुशी के पल में नोवाक जोकोविच ने भीड़ में मार्गरेट कोर्ट को पहचान लिया और उन्हें इतनी देर तक जागकर उन्हें अब तक के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक जीत दूर पहुंचते हुए देखने के लिए धन्यवाद दिया। रोड लेवर एरिना में 83 साल की कोर्ट दो बार के गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर पर जोकोविच की पांच सेट की जीत के दौरान वीआईपी दर्शकों के बीच मौजूद थीं। यह मुकाबला शनिवार सुबह डेढ़ बजे खत्म हुआ। ये दोनों 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सर्वकालिक रिकॉर्ड साझा करते हैं लेकिन रविवार को यह बदल सकता है। सिनर पर जोकोविच की कड़ी जीत ने शीर्ष रैंकिंग वाले अल्कारेज के खिलाफ खिताबी मुकाबला तय किया। स्पेन का 22 साल का यह खिलाड़ी करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की राह पर है। अल्कारेज और सिनर मिलकर अब तक जोकोविच को 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से रोकने में सफल रहे हैं। दोनों ने पिछले आठ ग्रैंडस्लैम खिताब बराबर संख्या में जीते हैं। सेमीफाइनल में जीत के बाद जोकोविच ने कोर्ट को धन्यवाद दिया कि वह सिनर के खिलाफ लगातार पांच हार का सिलसिला खत्म करने और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार चार सेमीफाइनल हार का सिलसिला तोड़ने के दौरान उनके साथ थीं। जोकोविच ने कहा, ''कुछ दिग्गज सुबह दो बजे तक जागते रहे! उन्होंने कहा, ''यहां आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जोकोविच के पास लगभग हर रिकॉर्ड है। उन्होंने रोजर फ़ेडरर और रफ़ेल नडाल के बनाए रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। उनके पास सेरेना विलियम्स से एक अधिक खिताब है। सेरेना के नाम महिलाओं के ओपन युग के रिकॉर्ड 23 एकल खिताब हैं। जोकोविच ने यह बात नहीं छिपाई है कि वह सिर्फ 25वें खिताब के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। 'सिनकारेज' (सिनर और अल्कारेज को मिलाकर) प्रतिद्वंद्विता के एक हिस्से को तोड़ने के बाद जोकोविच को मेलबर्न पार्क में अपने करियर के 11वें फाइनल में एक और खिताब जीतने का मौका मिलेगा। उन्होंने अब तक सभी 10 फाइनल जीते हैं।

सेबी ने डीमैट खातों में प्रतिभूतियों को जमा करने की प्रक्रिया को सरल बनाया

नयी दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने डीमैट खातों में प्रतिभूतियों को जमा करने की प्रक्रिया को सरल बनाया है। इसके तहत अब सौदे की पुष्टि करने वाले पत्र की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। इस कदम से प्रतिभूतियों के हस्तांतरण की अवधि 150 दिन से घटकर 30 दिन हो जाएगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को जारी एक परिपत्र में कहा कि वर्तमान में सूचीबद्ध कंपनियां, निर्गम पंजीयक और शेयर हस्तांतरण एजेंट (आरटीए) निवेशकों को पुष्टि पत्र (एलओसी) जारी करते हैं, जिसे प्रतिभूतियों को जमा करने के लिए डिपॉजिटरी प्रतिभागियों को प्रस्तुत किया जाता है। सेबी ने कहा कि इस प्रक्रिया में आमतौर पर लगभग 150 दिन लगते हैं। ऐसे में निवेशकों की सुविधा बढ़ाने और समय तथा जोखिम को कम करने के लिए एलओसी जारी करने की आवश्यकता को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। संशोधित व्यवस्था के तहत, आरटीए और सूचीबद्ध कंपनियां उचित जांच-पड़ताल करने के बाद निवेशकों के डीमैट खातों में सीधे प्रतिभूतियां जमा करेंगी। सेबी ने कहा कि इस बदलाव से प्रतिभूतियों के जमा होने की समयसीमा 150 दिन से घटकर 30 दिन होने की उम्मीद है और एलओसी के खोने या दुरुपयोग से जुड़े जोखिम समाप्त हो जाएंगे। नियामक ने कहा कि संशोधित ढांचा दो अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। इस तिथि से पहले जारी की गई कोई भी एलओसी निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रतिभूतियों को डीमैट खातों में जमा करने के लिए उपयोग कर सकते है। सेबी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य निवेश को सुगम बनाना, परिचालन दक्षता बढ़ाना और निवेशक संरक्षण को मजबूत करना है।

एक समय बुमराह के साथ खेलने वाले मोनांक अब कर रहे अमेरिका की अगुआई

नयी दिल्ली। जब अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल डेढ़ दशक पहले गुजरात के एक शानदार अंडर-19 क्रिकेटर के तौर पर मशहूर वानखेड़े स्टेडियम के मैदान पर उतरे तो उनके साथ एक और तेजतर्रार तेज गेंदबाज था जिसका एक्शन बड़ा ही अनोखा था- जसप्रीत बुमराह। उस समय मोनांक को शायद ही पता था कि बुमराह आगे चलकर सभी प्रारूप में भारत के सबसे महान गेंदबाज बनेंगे। जूनियर क्रिकेट के पुराने अच्छे दिनों को याद करते हुए मोनांक को वे दिन याद आए जब वह भारत के लिए नीली जर्सी पहनने का सपना देखते थे। भारत में अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने की तैयारी कर रहे मोनांक ने पीटीआई को बताया, ''हां, अक्षर (पटेल) और जसप्रीत (बुमराह) के साथ खेलने की मेरी बहुत अच्छी यादें हैं। मैंने गुजरात अंडर-19 का अपना पहला साल जसप्रीत के साथ खेला था और उससे पहले मैं अक्षर के साथ अंडर-16 खेला था। हम (बुमराह और वह) दो साल, दो सत्र तक साथ रहे। गुजरात टीम के लिए बहुत सारे मैच खेले। उन्हें याद है कि बुमराह तब भी बाकियों से बेहतर थे। मोनांक ने याद करते हुए कहा, ''हमने लाल और सफ़ेद गेंद, दोनों तरह का क्रिकेट खेला और वह सच में बहुत खास समय था। यह मेरे क्रिकेट के सफर का शुरुआती दौर था और तब भी जिस तरह से हम खेल रहे थे, विशेषकर जिस तरह से जसप्रीत प्रदर्शन कर रहा था, हम जानते थे कि उसमें वह एक्स फैक्टर है और वह निश्चित रूप से कुछ बड़ा करेगा। लेकिन मोनांक के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का रास्ता आसान नहीं था। उन्होंने 2013 में जब हमेशा के लिए अमेरिका जाने का फैसला किया तो उन्होंने क्रिकेट छोड़ने के बारे में सोचा था जबकि उन्हें 2010 में ही ग्रीन कार्ड मिल गया था। उन्होंने कहा, ''मेरे पास 2010 से ग्रीन कार्ड था और मैंने 2013 के बाद फैसला किया कि मैं अमेरिका जाना चाहता हूं। मेरा परिवार पहले से ही वहां बसने की योजना बना रहा था।

तंबाकू पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर एक फरवरी से प्रभावी होंगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर एक फरवरी से लागू हो जाएगा। यह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की उच्चतम 40 प्रतिशत की दर के ऊपर लगाया जाएगा। ये उपकर और उत्पाद शुल्क इन हानिकारक वस्तुओं पर एक जुलाई 2017 से लागू 28 प्रतिशत जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर का स्थान लेंगे। इसके अलावा, एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों (चबाने वाला तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा युक्त सुगंधित तंबाकू और गुटखा) के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) आधारित मूल्यांकन की नई व्यवस्था शुरू होगी। इसके तहत जीएसटी का निर्धारण पैकेट पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर किया जाएगा। पान मसाला निर्माताओं को एक फरवरी से स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के तहत नया पंजीकरण कराना होगा। ऐसे उत्पादों के निर्माताओं को सभी पैकिंग मशीनों को कवर करने वाली एक कार्यशील सीसीटीवी प्रणाली लगानी होगी और इसकी फुटेज को कम से कम 24 महीनों तक सुरक्षित रखना होगा। उन्हें उत्पाद शुल्क अधिकारियों को मशीनों की संख्या और उनकी क्षमता की जानकारी भी देनी होगी। यदि कोई मशीन लगातार कम से कम 15 दिनों तक बंद रहती है, तो वे उत्पाद शुल्क में छूट का दावा कर सकते हैं। एक फरवरी से प्रभावी केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम में संशोधन कर सिगरेट की लंबाई के आधार पर 2.05 रुपये से 8.50 रुपये प्रति स्टिक तक उत्पाद शुल्क लगाया गया है। इसके अलावा, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून पान मसाला इकाइयों की उत्पादन क्षमता पर उपकर लगाता है।

डब्ल्यूईएफ में कर्नाटक ने 46 कंपनियों के साथ द्विपक्षीय चर्चा की, कोई समझौता ज्ञापन नहीं हुआ: पाटिल

बेंगलुरु। कर्नाटक के मंत्री एम बी पाटिल ने शनिवार को कहा कि दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के दौरान उन्होंने 46 वैश्विक और भारतीय कंपनियों, निवेशकों तथा विभिन्न देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। पाटिल ने बताया कि इन बैठकों में निवेश के इरादों पर चर्चा हुई, लेकिन किसी भी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर नहीं किए गए। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ल्लहमने दावोस में डब्ल्यूईएफ के दौरान वैश्विक और भारतीय कंपनियों, निवेशकों, शैक्षणिक संस्थानों और देशों के नेतृत्व के साथ 46 द्विपक्षीय बैठकें कीं। उनके अनुसार, कर्नाटक के प्रतिनिधिमंडल ने एयरोस्पेस और रक्षा, उन्नत विनिर्माण, पेय पदार्थ और खाद्य प्रसंस्करण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, डेटा सेंटर और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों पर चर्चा की। मंत्री ने स्पष्ट किया, हमने सचेत रूप से दावोस में एमओयू पर हस्ताक्षर नहीं करने का निर्णय लिया क्योंकि हम चाहते थे कि निवेशक स्वयं कर्नाटक आएं और यहां उपलब्ध संसाधनों, प्रतिभाओं और निवेशकों के अनुकूल नीतियों को देखें।

टोरेंट इलेक्ट्रिकल्स ने स्विचगियर पेश किए

एजेंसी

नयी दिल्ली। टोरेंट ग्रुप की बिजली उत्पाद बनाने वाली इकाई टोरेंट इलेक्ट्रिकल्स ने शुक्रवार को नई ब्रांड पहचान के साथ स्विचगियर उत्पाद पेश किये। नई ब्रांड पहचान भारत के बिजली बाजार की बदलती मांगों के अनुरूप टोरेंट इलेक्ट्रिकल्स की प्रगति को दर्शाती है। इस पेशकश के तहत, टोरेंट इलेक्ट्रिकल्स ने अपने स्विचगियर उत्पादों को पेश किया है। इसमें मिनिएचर सर्किट ब्रेकर्स (एमसीबी), रेजिडुअल करंट सर्किट ब्रेकर्स (आरसीसीबी), आइसोलेटर्स और डिस्ट्रिब्यूशन बोर्ड्स शामिल हैं। ये उत्पाद आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपयोग की व्यापक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किये गये है। टोरेंट ग्रुप के निदेशक वरुण मेहता ने कहा, ''स्विचगियर उत्पादों को पेश करना और नई ब्रांड पहचान लाना इलेक्ट्रिकल उत्पाद खंड में सुरक्षा को केंद्र में रखते हुए एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने की हमारी एकीकृत रणनीति को दर्शाता है। टोरेंट इलेक्ट्रिकल्स, टोरेंट ग्रुप की बिजली उत्पाद इकाई है। कंपनी के उत्पादों में केबल, तार और स्विचगियर शामिल हैं।

इम्पैक्ट समिट में सरकार की स्वदेशी एआई मॉडल पेश करने की योजना: वैष्णव

एजेंसी

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि सरकार आगामी 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में देश में विकसित किए गए स्वदेशी एआई मॉडल पेश करने की योजना बना रही है। मंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दुनिया भर में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट' को लेकर भारी उत्साह है और उम्मीद है कि सम्मेलन के समापन तक एआई बुनियादी ढांचे के लिए 70 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता दोगुनी हो जाएगी। वैष्णव ने कहा, ''कुछ सप्ताह पहले प्रधानमंत्री ने उन टीम से मुलाकात की थी, जो स्वदेशी एआई मॉडल विकसित कर रहे हैं। मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि ये मॉडल बहुत अच्छे स्थिति में हैं और हम इन्हें 'एआई इम्पैक्ट समिट' में पेश करने वाले हैं। मंत्री ने कहा कि आगामी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम दुनिया में अब तक का चौथा और सबसे बड़ा एआई शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। वैष्णव ने कहा, ''हमारे पास पहले से ही लगभग 70 अरब डॉलर के निवेश की योजना कार्यान्वयन के चरण में है।

अदाणी अमेरिकी एसईसी से कानूनी नोटिस लेने को तैयार, 90 दिनों में देंगे जवाब

एजेंसी

न्यूयॉर्क/नयी दिल्ली। अरबपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) से दीवानी धोखाधड़ी के मुकदमे में कानूनी नोटिस लेने को तैयार हो गए हैं। एक अदालती दस्तावेज से यह जानकारी मिली। इस मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने रिश्वत देने की योजना के बारे में निवेशकों को गुमराह किया। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में एक संघीय अदालत में दायर दस्तावेज, जिसे पीटीआई-भाषा ने देखा है, के अनुसार एसईसी और गौतम तथा सागर अदाणी के अमेरिका स्थित वकीलों ने कहा कि वकील नियामक के कानूनी कागजात स्वीकार करने के लिए सहमत हो गए हैं। इससे न्यायाधीश को अब इस पर फैसला देने की आवश्यकता नहीं होगी कि प्रतिवादियों को नोटिस कैसे तामिल कराया जाए। यह संयुक्त आवेदन (या समझौता) संबंधित अदालत के समक्ष मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया है। यह अमेरिकी कानूनी कार्यवाही में एक मानक प्रक्रियात्मक कदम है, जो मामलों के व्यवस्थित समाधान की अनुमति देता है। यदि न्यायाधीश सहमति देते हैं, तो संयुक्त आवेदन एसईसी मामले को आगे बढ़ने की अनुमति देगा। साथ ही इससे अदाणी को 90 दिनों के भीतर मामले को खारिज करने का अनुरोध करने या अपना बचाव पेश करने का मौका मिलेगा। इसके बाद एसईसी अगले 60 दिनों के भीतर अपना विरोध दर्ज करा सकता है। प्रतिवादी ऐसे विरोध पर 45 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल कर सकते हैं। एसईसी ने नवंबर 2024 में एक मुकदमा दायर किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि इन दोनों ने अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के बारे में झूठे और भ्रामक विवरण देकर अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन किया है। एसईसी की दीवानी शिकायत के अलावा, न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में संघीय अभियोजकों ने अदाणी और अन्य पर सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारत में 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने में मदद करने का आरोप लगाया है। अदाणी समूह ने अपने या संस्थापक परिवार के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को बार-बार नकारा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

काशी केवल एक नगर नहीं, बल्कि हर गली में बहता जीवन-दर्शन है: प्रो. सिद्धांत सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। भारतीय ज्ञान-परंपरा की चर्चा काशी और नालंदा के बिना अधूरी है। शनिवार को काशी साहित्य कला उत्सव के मंच04 पर ह्लकाशी और नालंदाः भारतीय ज्ञान-परंपरा के शाश्वत सारस्वत केंद्रह्व विषय पर आयोजित बौद्धिक संवाद में अतिथि वक्ता प्रो. सिद्धांत सिंह ने काशी और नालंदा को भारतीय सभ्यता की दो ऐसी धुरी बताया, जिनके बिना भारत की सांस्कृतिक आत्मा अधूरी है। इस अवसर पर काशी को ह्लकेवल एक नगर नहीं, बल्कि एक धराह्व बताते हुए उसके जीवंत लोकबोध और नालंदा की समृद्ध बौद्धिक परंपरा पर गहन विमर्श हुआ। प्रो. सिद्धांत सिंह ने कहा कि काशी केवल एक नगर नहीं, बल्कि हर गली में बहता जीवन-दर्शन है, जो ग़मों को सहजता से भुलाना सिखाता है और कठिन समय में संबल बनता है। उन्होंने इतिहासकारों और विद्वानों के संदर्भ में बंगाल नाइट व इलियाडे की प्रेम-कथा जैसी कृतियों का उल्लेख करते हुए काशी को ज्ञान, प्रेम और जिज्ञासा का संगम बताया–एक ऐसी 'सिटी ऑफ लाइट', जहाँ साधारण व्यक्ति भी असाधारण सीख दे जाता है और जहाँ ज्ञान हर जगह उपलब्ध है। नालंदा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि पाँचवीं शताब्दी से उसका उत्कर्ष विश्व-इतिहास में अमिट छाप छोड़ता है। शब्द, शिल्प, तर्क, दर्शन और उद्देश्यपरक अध्ययन का यह केंद्र जैन-बौद्ध परंपराओं के साथ-साथ सभी विचारधाराओं को समेटे रहा– यही भारतीय परंपरा की आत्मा है। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए 1951 में नवनालंदा बिहार विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। काशी और नालंदा आज के युवाओं को यह संदेश देती हैं कि जीवन को पूरान से जियो और ज्ञान को केवल संग्रह नहीं, बल्कि आचरण बनाओ। यही भारतीय संस्कृति का सार है,जहाँ जीवन का उत्सव, ज्ञान की गहराई और करुणा का संतुलन एक साथ चलता है।

रानी रेवती देवी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर हुआ गहन मंथन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। विद्या भारती से संबद्ध काशी प्रांत के रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय के संयोजन में विद्या भारती द्वारा संचालित प्रयाग महानगर के समस्त विद्यालयों के लगभग 450 आचार्यों की बृहद बैठक हुई। तत्पश्चात महानगर के समस्त शिशु एवं विद्या मंदिरों के प्रधानाचार्यों एवं प्रबंध समितियों की बैठक ज्वाला देवी में हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करना था।

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ मुख्य अतिथि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा, क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ. राम मनोहर, प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी, क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख विजय उपाध्याय एवं प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. रघुराज प्रताप सिंह द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया गया। विद्यालय के संगीताचार्य एवं मीडिया प्रभारी मनोज गुप्ता ने बताया कि बैठक के दौरान शिक्षा के विभिन्न आयामों पर मार्गदर्शन करते हुए मुख्य अतिथि देशराज शर्मा ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' की बारीकियों पर प्रकाश डाला और कहा कि यह नीति भारतीय मूल्यों पर आधारित आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने वाली है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने शिशु वाटिका की महत्ता और शारीरिक शिक्षा के सुदृढ़ीकरण पर भी बल देते हुए बताया कि आप सब आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करें जिससे विद्या भारती के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। विद्या भारती के क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ. राम मनोहर ने विद्या भारती के प्रमुख आयामों और आधारभूत विषयों पर चर्चा की। उन्होंने आचार्यों को शिक्षण पद्धति में संस्कार और नवाचार के समन्वय हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय शारीरिक प्रमुख जगदीश सिंह, सुमंत पाण्डेय, प्रधानाचार्यगण युगल किशोर मिश्रा, विक्रम बहादुर सिंह, सुरेश तिवारी, दिनेश दुबे, कमलेश मिश्रा, समुद्रगुप्त, अजय मिश्रा, अजय, इंद्रजीत त्रिपाठी, दिनेश पाण्डेय, मीना श्रीवास्तव, मीरा पाठक एवं वेदांती प्रसाद पाठक सहित समस्त प्रधानाचार्य एवं आचार्य बंधु एवं भगिनियों की उपस्थिति रही। अतिथि परिचय एवं स्वागत प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी ने तथा संचालन दिनेश कुमार शुक्ला ने किया।

बूंद-बूंद पानी बचाने का संकल्प: बच्चों ने लिया 'जल है तो कल है' का मंत्र

मीरजापुर। जिगना क्षेत्र के गोनौरा गांव स्थित यूपीएस में शनिवार को जल संरक्षण को लेकर ऐसा नज़ारा दिखा, जिसने भविष्य की उम्मीद जगा दी। नन्हे बच्चों ने जल है तो कल है का संकल्प लिया और पानी बचाने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली। कार्यक्रम में सहायक अध्यापक विनोद कुमार ने बच्चों को समझाया कि बूंद-बूंद जोड़कर ही भू-जल स्रोतों का संरक्षण संभव है। उन्होंने संकल्प दिलाया कि स्नान के समय अनावश्यक पानी बर्बाद नहीं किया जाएगा, कपड़े धोते समय बहते पानी से परहेज किया जाएगा और साबुन-शैंपू लगाते वक्त शावर बंद रखा जाएगा। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ जल ही जीवन है का नारा दोहराया।

संत रंविदास जयंती : जन्मस्थली पर मिनी पंजाब का नजारा,सीपी और डीएम भी पहुंचे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। संत शिरोमणि रविदास की जयंती की पूर्व संध्या पर शनिवार को उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर में मिनी पंजाब का नजारा दिखा। मंदिर से लेकर तंबुओं में रह रहे रैदासी भक्तों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने अपरान्ह में पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल,जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार,नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल भी पहुंचे।

अफसरों ने मेला क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अफसरों ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्क रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने इस दौरान रैदासी श्रद्धालुओं से टेंट में जाकर हाल चाल पूछा। लंगर, पंडाल, सुरक्षा, सफाई और बिजली व्यवस्था का मुआयना कर संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा, एडीएम सिटी आलोक वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक समेत व्यवस्था से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संभल में चुनावी रंजिश को लेकर हुए विवाद में ग्राम प्रधान की सास की गोली लगने से मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

संभल। उत्तर प्रदेश में जनपद संभल के बबराला थाना क्षेत्र स्थित पहलवाड़ा गांव में चुनावी रंजिश को लेकर हुए विवाद में ग्राम प्रधान की सास की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। जनपद संभल के बबराला थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात पहलवाड़ा गांव में चुनावी रंजिश को लेकर पवन और सुभाष के पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव और फायरिंग हुई। पहलवाड़ा गांव में प्रधानी चुनाव की रंजिश को लेकर हुई इस फायरिंग में ग्राम प्रधान की सास व राशन डीलर प्रेमवती (52) को गोली लग गयी। इससे उनकी जान चली गई। वहीं दूसरे पक्ष का एक युवक भी घायल हुआ है। फायरिंग में सुभाष पक्ष के देवेश नामक युवक के कान में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, सुभाष इस बार प्रधान पद के चुनाव की तैयारी कर रहा था। गांव में पिछले चार महीने से लगातार झगड़े की घटनाएं सामने आ रही थीं।गत दिसंबर में भी एक बार विवाद हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद गुन्नौर सीओ आलोक सिद्ध और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई भी गांव पहुंचे। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना पुलिस के अलावा सर्विलांस और एसओजी सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

यूथ का ज़्यादा समय मोबाइल, लैपटॉप और कंप्यूटर खा रहा है: कुलपति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी के ताज होटल में आयोजित बनारस लिट फ़ेस्ट (चतुर्थ) के दूसरे दिन शनिवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद त्यागी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आनंद ने कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय परंपरा का सुंदर उदाहरण है। इसका मुख्य प्रयोजन साहित्य सहित कला की अन्य विधाओं पर गहन चर्चाएं करना है। ऐसे समय में जब यूथ का ज़्यादा समय मोबाइल, लैपटॉप और कंप्यूटर खा रहा है, उस समय में साहित्यकारों पर समाज को एक स्वरूप प्रदान करने में अपना योगदान देते हैं तो उनका दायित्व और बढ़ जाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयोजनों से युवा पीढ़ी को हम पुरातन परंपराओं से जोड़ पाएंगे। उन्हें मोबाइल की दुनिया से बाहर कर पाएंगे। इसी क्रम में, सारस्वत मंच पर ह्लएआई फॉर जर्नलिज्म एंड राइटरसह्व विषय पर विचारोत्तेजक चर्चा का आयोजन किया गया। इस सत्र में कश्यप कोंपले ने पत्रकारिता और लेखन में एआई की भूमिका, उपयोग और सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लेखन के शुरुआती दौर में छात्रों को एआई पर अत्यधिक निर्भर नहीं होना चाहिए। ऐसा करने से उनकी सोचने, समझने और विश्लेषण करने की क्षमता सीमित हो सकती है। उन्होंने जोर दिया कि लेखन की बुनियाद अनुभव, निरीक्षण और संवेदना से बनती है, जिसे कोई भी तकनीक पूरी तरह प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। एआई को सहायक उपकरण के रूप में देखा जाए रचनात्मकता के विकल्प के रूप में नहीं देखना चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश लोग एआई की कुल क्षमताओं का केवल 5 से 10 प्रतिशत ही उपयोग कर पा रहे हैं। यदि सही प्रशिक्षण, विवेक और उद्देश्य के साथ इसका प्रयोग किया जाए, तो एआई शोध, तथ्य-संग्रह, भाषा-संपादन और समय-प्रबंधन में पत्रकारों व लेखकों के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है। साथ ही उन्होंने नैतिकता, तथ्य-जांच और मानवीय दृष्टि को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

बरसात की मुसीबत खत्म! बडईया नाला पर लघु सेतु का शिलान्यास, गांवों को मिलेगी नई राह

- एनएच-135 से टेढ़ा मार्ग पर 228.14 लाख की लागत से बनेगा लघु सेतु
- विधायक शुचिस्मिता मौर्या ने किया भूमि पूजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। विकास खंड पहाड़ी अंतर्गत एनएच-135 से टेढ़ा मार्ग पर बडईया नाला पर प्रस्तावित लघु सेतु निर्माण कार्य का शनिवार को विधिवत शुभारंभ हो गया। मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्या ने भूमि पूजन कर कार्य की शुरुआत की। जैसे ही निर्माण कार्य शुरू हुआ, क्षेत्रीय ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस मौके पर विधायक शुचिस्मिता मौर्या ने कहा कि बरसात के मौसम में नाले का जलस्तर बढ़ने से आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता था। इससे ग्रामीणों के साथ-साथ विद्यार्थियों, किसानों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लघु सेतु के निर्माण के बाद यह समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी और लोगों को सुरक्षित व सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि सरकार की प्राथमिकता है कि गांवों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचें। लंबे समय से ग्रामीण इस सेतु की मांग कर रहे थे, जिसे प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दिलाकर निर्माण कार्य शुरू कराया गया है। सेतु बनने से क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। एनएच-135 से टेढ़ा मार्ग स्थित बडईया नाला पर 355 मीटर स्पॉन का यह लघु सेतु लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड), मीरजापुर द्वारा बनाया जाएगा। परियोजना की कुल लागत 228.14 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें सेतु निर्माण के साथ-साथ सुरक्षात्मक कार्य और पहुंच मार्ग भी शामिल हैं। भूमि पूजन कार्यक्रम में ग्राम प्रधान रामदेव सरोज, क्षेत्र पंचायत सदस्य अनिल मौर्या, पंचदेव सिंह, अवधेश सिंह, मोहन तिवारी, पार्टी पदाधिकारी, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बलिया में नन्हे उद्यमियों ने नवाचारी उत्पादों से सबको चकित किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। सनबीम स्कूल में शनिवार को आयोजित 'किड्स एंटरप्रेन्योरशिप' प्रदर्शनी एवं अनुभव साझाकरण कार्यक्रम में कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं ने अपनी उद्यमिता क्षमता का लोहा मनवाया। नन्हे विद्यार्थियों ने न केवल व्यावसायिक कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि स्वस्थ पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता भी जताई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सोच से समाज के लिए उपयोगी उत्पाद पेश किए। छात्र अथर्व मिश्रा ने इलेक्ट्रिक शॉक से बचाव की आधुनिक तकनीक साझा की, वहीं प्रशिष्टि ने अपने परियोजना के माध्यम से प्रभावी 'मार्केटिंग प्लानिंग' के गुर सिखाए। आयुषी ने 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' (अपशिष्ट अवशेषों) से उपयोगी वस्तुओं के पुनर्निर्माण की कला प्रदर्शित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से बचाव के लिए रागिनी व सृष्टि द्वारा प्रस्तुत किए गए नए तरीके आकर्षण का केंद्र रहे। इनके अतिरिक्त आग्रही, उर्वी, आराध्या, शिवांश व गौरव ने भी गुणवत्तापूर्ण एवं कौशल युक्त प्रयोगों की जानकारी दी। इसके पहले कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि किड्सप्रिन्योरशिप की प्रमुख अभिलाषा मंजुला ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर बच्चों से उनके प्रयोगों और भविष्य की योजनाओं के बारे में संवाद किया। विद्यार्थियों के सटीक प्रत्युत्तर और आत्मविश्वास से प्रभावित होकर उन्होंने उनके हुनर की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। उनके साथ विशेषज्ञ के रूप में रविश भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर साल भर चले इस प्रोजेक्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 39 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव श्रीवत्स सिंह, प्रधानाचार्या डॉ. अर्पिता सिंह, कोऑर्डिनेटर सहर बानो, हेडमिस्ट्रेस नीतू पांडेय, कोऑर्डिनेटर जयप्रकाश यादव व प्रशांत उपाध्याय के साथ नेहा श्रीवास्तव, नवचंद्र तिवारी, गरिमा तिवारी, विशाल सिंह, सीताराम दुबे व सीबी पांडेय का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन छात्र अक्षत दुबे व सक्षम तिवारी ने किया। विद्यालय के प्रशासक संतोष कुमार चतुर्वेदी ने उपस्थित आभार व्यक्त किया।

महारानी लक्ष्मीबाई की पेंटिंग बनाकर छात्रा जेसिका ने राष्ट्रीय फलक पर फर्रुखाबाद जिले का नाम किया रोशन

फर्रुखाबाद। महारानी लक्ष्मीबाई की पेंटिंग बनाकर वीरगाथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद की छात्रा जेसिका सक्सेना ने शानदार सफलता हासिल की है। जेसिका की इस सफलता ने जिले का नाम राष्ट्र स्तर पर दर्ज कराया है। शहर के मोहल्ला बजरिया की रहने वाली जेसिका सक्सेना मदन मोहन कनौडिया इंटर कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा है। जेसिका सक्सेना ने राष्ट्रीय स्तर की वीरगाथा 5.0 प्रतियोगिता में शानदार सफलता हासिल की है। छात्रा जेसिका ने महारानी लक्ष्मीबाई पर आधारित पेंटिंग बनाकर वीरगाथा सुपर 100 में जगह बनाई। उनकी पेंटिंग का चयन जिला स्तर से लेकर राज्य और फिर राष्ट्रीय स्तर तक हुआ। पेंटिंग के चयन के बाद जेसिका को नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन के ऑडिटोरियम में आयोजित सम्मान समारोह में आमंत्रित किया गया। जहां रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने उन्हें मेडल, प्रशस्ति पत्र और 10,000 रुपये की नकद राशि देकर समान्नित किया। सम्मान प्राप्त कर घर लौटने पर रविवार को छात्रा जेसिका का मोहल्ले और परिजनों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। बेटी की उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। जेसिका के पिता राजीव सक्सेना ने बताया कि उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा है। उन्होंने कहा कि बेटी की इस उपलब्धि पर उन्हें गर्व है।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सड़कवार माइक्रो प्लान बनाए अफसर : जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। राष्ट्रीय सुरक्षा माह के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के औरैया जिला कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की रविवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सड़कवार माइक्रो प्लान बनाकर प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होंने बताया कि जनपद में सर्वाधिक सड़क हादसे एनएच 19 पर हो रहे हैं, इसलिए प्राथमिकता के आधार पर इसी मार्ग पर सुरक्षा उपाय लागू किए जाएं।

जिलाधिकारी ने हादसों का कारण बनने वाले कट (मोड़) वार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि वाहन की गति नियंत्रित करने के लिए रिपीटेड वार लगाए जाएं। राष्ट्रीय राजमार्ग व सर्विस लेन के समागम स्थलों पर आवश्यक साइन बोर्ड, संकेतक व रिफ्लेक्टर लगाए जाएं। साथ ही ओवरब्रिज के शोल्डर पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने यातायात पुलिस को निर्देशित किया कि जहां अतिक्रमण के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं, वहां सख्त प्रवर्तन कार्यवाही कर अतिक्रमण हटवाया जाए। जिलाधिकारी ने पंचायत सहायकों द्वारा बनाए गए आयुष्मान कार्डों की कम संख्या पर नाराजगी जताई और 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध व निर्धन नागरिकों को चिन्हित कर आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रति कार्ड में पारिश्रमिक दिया जाएगा और इससे लाभार्थियों को 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा मिलेगी। साथ ही पंचायत सहायकों को फार्मर रजिस्ट्री में भी सक्रिय भूमिका निभाने को कहा गया। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, यातायात व परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।